दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच

प्रात: कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

वर्ष :-04

अंक:-260

मुरादाबाद

10 January 2025

(Friday)

पृष्ठ:-08

मूल्य:- 3.00 रुपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड

RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

'भविष्य युद्ध में नहीं, बुद्ध में है', 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में पीएम मोदी ने दिया मंत्र

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज आप ओडिशा की जिस महान धरती पर जुटे हैं वो भी भारत की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब है। ओडिशा में कदम कदम पर हमारी विरासत के दर्शन होते हैं। सैकड़ों वर्ष पहले भी ओडिशा से हमारी व्यापारी कारोबारी लंबा सफर करके बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानों तक जाते थे...ओडिशा में आज भी बाली यात्रा का आयोजन होता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को ओडिशा के भुवनेश्वर में 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम में पहुंचे। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी भी इस अवसर पर मौजूद रहे। यहां पीएम मोदी ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। 18वें प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा पीएम मोदी ने कहा कि यह जीवंत त्योहारों का समय है। कुछ ही दिनों में प्रयागराज में महाकुंभ शुरू हो रहा है। मकर संक्रांति, बिहू, पोंगल, लोहड़ी जैसे त्योहार आने वाले हैं। हर जगह आनंदमय वातावरण है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज आप ओडिशा की जिस महान धरती पर जुटे हैं वो भी भारत की समृद्ध विरासत का प्रतिबिंब है। ओडिशा में कदम कदम पर हमारी विरासत के दर्शन होते हैं। सैकड़ों वर्ष पहले भी ओडिशा से हमारी व्यापारी कारोबारी लंबा सफर करके बाली, सुमात्रा, जावा जैसे स्थानों तक जाते थे...ओडिशा में आज भी बाली यात्रा का आयोजन होता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में जब तलवार के जोर पर साम्राज्य बढ़ाने का दौर था, तब हमारे सम्राट अशोक ने यहां शांति का रास्ता चुना था। हमारी इस विरासत का ये वही बल है जिसकी प्रेरणा से आज भारत दुनिया को कह पाता है कि भविष्य युद्ध में नहीं है, बुद्ध में है।

पीएम मोदी ने कहा कि मैंने हमेशा भारतीय डायस्पोरा को भारत का राष्ट्रदूत माना है। मुझे बहुत खुशी होती है, जब पूरी दुनिया में आप सभी साथियों से मिलता हूं, आपसे बातचीत करता हूं। जो प्यार मुझे मिलता है, वो भूल नहीं सकता हूं। आपका प्यार, आपका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहता है। हम सिर्फ लोकतंत्र की जननी नहीं हैं, बल्कि लोकतंत्र हमारे जीवन का हिस्सा है। हमें विविधता सिखानी नहीं, हमारा जीवन ही विविधता प्रदान करता है। भारतीय जहां भी जाते हैं, वहां के समाज के साथ जुड़ जाते हैं। भारतीय जहां भी जाते हैं,

वहां के नियम और परंपरा का सम्मान करते हैं। हम पूरी ईमानदारी से उस देश की, उस समाज की सेवा करते हैं। इस सबके साथ ही हमारे दिल में भारत भी धड़कता रहता है। उन्होंने कहा कि भारत की सफलता आज दुनिया देख रही है। आज जब भारत का चंद्रयान शिव शक्ति प्वाइंट पर पहुंचता है, तो हम सब को गर्व होता है। आज जब दुनिया, डिजिटल इंडिया की ताकत देखकर हैरान होती है, तो हम सब को गर्व होता है। आज भारत का हर सेक्टर आसमान की ऊंचाई छूने को आगे बढ़ रहा है। भारत की बात को आज दुनिया ध्यान से सुनती है। आज का भारत, अपना पॉइंट तो मजबूती से कायम है, ग्लोबल साउथ की आवाज को भी पूरी ताकत से उठाता है।प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई-प्रधानमंत्री ने प्रवासी भारतीयों के लिए विशेष पर्यटक ट्रेन प्रवासी भारतीय एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन से ट्रेन ने सफर शुरू किया। यह ट्रेन प्रवासी भारतीयों को तीन सप्ताह तक देशभर के कई पर्यटक और धार्मिक स्थलों की यात्रा कराएगी। वैश्विक युग में प्रवासी समुदाय का महत्व प्रत्येक वर्ष के साथ बढ़ता गया-इससे पहले विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि हर 2 साल में आयोजित होने वाले इस सम्मेलन के माध्यम से विदेशों में रहने वाले भारतीय अपने देश में हो रही प्रगति और विकास को देख पाते हैं, अनुभव कर पाते हैं। आप सभी न केवल अपने जीवन की उपलब्धियों पर गर्व कर करते हैं, बल्कि विदेशों में हमारे लिए बढ़ते सम्मान का भी अनुभव करते हैं। वैश्विक युग में प्रवासी समुदाय का महत्व प्रत्येक वर्ष के साथ बढ़ता गया है। विकसित भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों का योगदान-ओडिशा के मुख्यमंत्री माझी ने कहा कि इस बार प्रवासी भारतीय दिवस की थीम विकसित भारत के निर्माण में प्रवासी भारतीयों का योगदान है। आज मैं ओडिशा की धरती से सभी का अभिवादन करता हूं।

संक्षिप्त समाचार

माता-पिता के बीच विवाद के चलते नाबालिग का अधिकार नहीं छीन सकते, उच्च न्यायालय का आदेश

न्यायालय ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बारे में बताया गया है और इसमें विदेश यात्रा का अधिकार शामिल है और किसी भी व्यक्ति को कानूनी प्रक्रिया के तहत ही उसके अधिकार से वंचित किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि इस मामले में लड़की के पिता ने किसी अदालत से कोई आदेश नहीं लिया है। बॉम्बे उच्च न्यायालय ने अपने एक आदेश में कहा है कि माता-पिता के बीच चल रहे वैवाहिक विवाद के चलते नाबालिग का पासपोर्ट हासिल करने और उसके विदेश यात्रा करने के अधिकार को नहीं छीना जा सकता। उच्च न्यायालय ने बुधवार को एक मामले में यह आदेश दिया, जिसकी प्रति गुरुवार को उपलब्ध हुई। उच्च न्यायालय ने पुणे क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय (आरपीओ) को 17 वर्षीय लड़की को दो सप्ताह के भीतर पुराने आवेदन पत्र पर ही पासपोर्ट जारी करने का निर्देश दिया। दरअसल पुणे पासपोर्ट कार्यालय ने नवंबर 2024 में लड़की की मां को एक पत्र भेजा, जिसमें कहा गया था कि उनकी बेटी के पासपोर्ट आवेदन पर कार्रवाई नहीं की जाएगी क्योंकि लड़की के पिता ने इस पर आपत्ति जताई और सहमति देने से इनकार कर दिया। नाबालिग लड़की के माता-पिता के बीच विवाद चल रहा है और दोनों तलाक ले रहे हैं। इसके खिलाफ नाबालिग लड़की ने उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। सहमति देने से इनकार कर दिया है।

तिरुपति भगदड़: बैकुंठ द्वार दर्शन के टोकन के लिए उमड़ी थी श्रद्धालुओं की भीड़; हादसे पर पीएम-सीएम ने जताया दुख

मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने हादसे में मारे गए लोगों के प्रति शोक जताया है। एन चंद्रबाबू नायडू ने छ्त्रक्क ञ्ञ्ष्ठ श्व्ह्, जिला कलेक्टर, स्क्क के साथ भगदड़ की स्थिति की समीक्षा की। मुख्यमंत्री नायडू ने कहा कि दर्शन के लिए आए श्रद्धालुओं की जान जाना बेहद दुखद है।आंध्र प्रदेश के

तिरुपति मंदिर में बुधवार देर शाम भगदड़ मचने से छह श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वहीं, घटना में करीब 40 लोगों के घायल होने की भी खबर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्य के सीएम चंद्रबाबू नायडू समेत कई लोगों ने इस घटना पर दुख जताया है। पीएम मोदी ने भगदड़ में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। वहीं, मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी हादसे में मारे गए लोगों के प्रति शोक जताया है। सीएम नायडू आज सुबह तिरुपति का दौरा भी करेंगे। इस बीच, टीटीडी (तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम) के कार्यकारी अधिकारी श्यामला राव ने मामले की जांच की बात कही है।एक तीर्थयात्री की हुई पहचान-वहीं, टीटीडी (तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम) के अध्यक्ष बीआर नायडू ने हादसे को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इसमें मरने वालों की संख्या बढ़कर 6 हो गई है। जिसमें से अब तक, केवल एक तीर्थयात्री की पहचान की गई है। अन्य की पहचान की जानी बाकी है। उन्होंने कहा कि एन मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू घटना को लेकर गंभीर हैं। उन्होंने टेलीकांफ्रेंस के दौरान अधिकारियों से प्रबंधन को लेकर नाराजगी जताई है। वे आज सुबह 11¬45 बजे मृतकों के परिवारों से मुलाकात करेंगे। साथ ही उन्होंने चेतावनी दी है कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। बीआर नायडू ने बताया कि वे इस हादसे की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। पीएम मोदी ने जताया हादसे पर दुख-प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तिरुपति मंदिर में हुए हादसे पर दुख जाहिर किया है। उन्होंने अपने एक्स अकाउंट से पोस्ट करते हुए लिखा, आंध्र प्रदेश के तिरूपति में भगदड़ से आहत हूं। मेरी संवेदनाएं उन लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। मैं प्रार्थना करता हूं कि घायल जल्द ठीक हो जाएं। आंध्र प्रदेश सरकार प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।%राहुल गांधी ने शोक जताया -वहीं, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भी इस हादसे पर दुख जाहिर किया है। उनहोंने कहा कि आंध्र प्रदेश के तिरुपति मंदिर में भगदड़ बेहद दुखद है। साथ ही राहुल गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से इस कठिन समय में हर संभव सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि तिरुपति में भगदड़ बेहद दुखद है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। कैसे हुआ हादसा-पुलिस के मुताबिक, सैकड़ों श्रद्धालु तिरुमला हिल्स पर भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में वैकुंठ द्वार दर्शन के लिए टोकन लेने के लिए धक्का-मुक्की कर रहे थे, उसी दौरान भगदड़ मच गई। दरअसल 10 जनवरी से शुरू हो रहे 10 दिवसीय वैकुंठ द्वार दर्शनम के लिए देशभर से सैकड़ों श्रद्धालु यहां पहुंचे हैं। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) ने बृहस्पतिवार की सुबह से दर्शन टोकन जारी करने की व्यवस्था की थी। इसी के चलते बुधवार शाम से ही श्रद्धालुओं ने कतार लगाना शुरू कर दिया था। अलीपिरी, श्रीनिवासम, सत्यनारायणपुरम और पद्मावतीपुरम में भक्तों की लंबी कतारें लगी हुई थी। पुलिस ने हादसे के दौरान कुछ महिला श्रद्धालुओं को सीपीआर देने और घायल व्यक्तियों को एंबुलेंस में ले जाने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। चश्मदीद ने बताया कैसे हुई भगदड़-मंदिर में भगदड़ को लेकर मौके पर मौजूद एक महिला ने जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जैसे ही पुलिस अधिकारियों ने गेट खोला, तीर्थयात्री टोकन खरीदने के लिए दौड़ पड़े। पहले टोकन प्राप्त करने के लिए ऐसी कोई व्यवस्था नहीं थी। उन्होंने कहा कि मेरे परिवार के छह लोग भी घायल हो गए हैं। हम 11 बजे से कतार में लगे थे। हमें दूध और बिस्कुट दिए गए थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त से मिले केजरीवाल, कहा- प्रवेश वर्मा के घर हो रेड; खुलेआम बांट रहे 1100

केजरीवाल ने पत्र में आरोप लगाया है कि प्रवेश वर्मा महिलाओं को खुले में 1100 रुपये बांट रहे हैं। वो सरासर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल गुरुवार को मुख्य चुनाव आयुक्त से मिले और चिट्ठी सौंपी। चिट्ठी में उन्होंने नई दिल्ली विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रवेश वर्मा के घर पर तुरंत रेड करने की बात कही है। केजरीवाल ने पत्र में आरोप लगाया है कि प्रवेश वर्मा महिलाओं को खुले में 1100 रुपये बांट रहे हैं। वो सरासर चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन कर रहे हैं। प्रवेश वर्मा नौकरियों का झांसा देकर वोट मांग रहे हैं। इसके अलावा डीईओ को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड और ट्रांसफर किया जाए। यूपी-बिहार से लाकर बनाए जा रहे फर्जी

वोटर चुनाव आयुक्त से मिलकर बाहर आने पर प्रेस से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि प्रवेश वर्मा जॉब कार्ड बनवा रहे हैं। यूपी-बिहार से लोगों को लाकर फर्जी वोटर बनवाए जा रहे हैं। नई दिल्ली विधानसभा सीट पर 13 हजार नए वोटर कैसे बने, बहुत बड़े पैमाने पर घोटाला हो रहा है। प्रवेश वर्मा को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। आप ने मुझे देशद्रोही कहा, जाटों का अपमान किया-वहीं प्रवेश वर्मा ने आम आदमी पार्टी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि इन्होंने मुझे देशद्रोही कहा और जाटों का अपमान किया। दिल्ली में पहली बार जाट मुख्यमंत्री पूजनीय डॉ. साहिब सिंह जी को भाजपा ने ही बनाया था। मुझे देशद्रोही कहा, देशभक्त जाटों का अपमान किया और अब जब नई दिल्ली की सीट खिसकती दिखी, तो जाट आरक्षण का नाटक करने लगे। अरविंद केजरीवाल जी, जाट समाज आपकी सियासी चालों को बखूबी समझ चुका है। अब नई दिल्ली की सीट छोड़कर भाग मत जाना। इस बार जाट के हत्थे चढ़ गए हो, पूरी नई दिल्ली की 36 बिरादरी आपकी जमानत जब्त कराने के लिए तैयार है। और हां, हर बार जाटों को आरक्षण भाजपा ने ही दिया। इतिहास के पन्ने उठा कर देख लो।

'अखिलेश यादव ने सबसे ज्यादा दलितों को नुकसान पहुंचाया, योजनाओं से डॉ. आंबेडकर का नाम हटाया'

विधान परिषद सदस्य और उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि सपा सरकार के दौरान योजनाओं के नाम से डॉ. आंबेडकर का नाम हटा दिया गया था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने सबसे ज्यादा दलितों का नुकसान किया।यूपी के विधान परिषद सदस्य और उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष डॉ. लालजी प्रसाद निर्मल ने कहा कि मौजूदा समय में सियासी दल डॉ आंबेडकर के नाम पर दलितों को रिझाने की कोशिश कर रहे हैं, जबकि सबसे ज्यादा दलितों का नुकसान सपा सरकार में किया गया। अखिलेश यादव ने स्मारकों और योजनाओं से बाबा साहब का नाम हटाने का काम किया है। वो बृहस्पतिवार को वीवीआईपी अतिथि गृह में पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे।उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रति समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के दृष्टिकोण में बड़ा अंतर है। जहां अखिलेश यादव ने अपने शासनकाल में डॉ. आंबेडकर के नाम को योजनाओं और स्थलों से हटाने का कार्य किया, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबासाहब को घर-घर पहुंचाने और उनके विचारों को जन-जन तक प्रचारित करने का कार्य किया।डॉ. निर्मल ने अखिलेश यादव को डॉ. आंबेडकर विरोधी बताते हुए कहा कि उनके शासनकाल में बाबा साहब के नाम को योजनाओं और संस्थानों से हटाना प्राथमिक कार्यों में शामिल रहा। उन्होंने बताया कि आंबेडकर ग्राम विकास योजना से फ्रडॉ. आंबेडकरफ्र का नाम हटाया गया। लखनऊ के डॉ. आंबेडकर हरित उद्यान का नाम बदलकर जनेश्वर मिश्र पार्क कर दिया गया।रामपुर के डॉ. आंबेडकर तारामंडल से बाबा साहब का नाम हटाया गया। इसके अलावा डॉ. आंबेडकर मेडिकल कॉलेज, कन्नौज का नाम बदल दिया गया। अंतरराष्ट्रीय बस अड्डा, लखनऊ से बाबा साहब का नाम हटाकर उसे आलमबाग बस अड्डा कर दिया गया। वहीं, भीमनगर (संभल) का नाम विलोपित किया गया। रमाबाई आंबेडकर नगर (कानपुर देहात) से रमाबाई का नाम हटाकर इसे सामान्य नाम दे दिया गया। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ ने डॉ. आंबेडकर को घर-घर पहुंचाया। डॉ. निर्मल ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहब को सम्मान देने और उनके विचारों को प्रचारित करने का कार्य प्राथमिकता से किया। उन्होंने बताया कि दिसंबर 2017 में योगी सरकार ने प्रदेश के सभी सरकारी कार्यालयों में डॉ. आंबेडकर की तस्वीर लगाना अनिवार्य किया।कन्नौज मेडिकल कॉलेज का नाम पुनः डॉ. आंबेडकर मेडिकल कॉलेज कर दिया गया। लखनऊ के ऐशबाग में भारत रत्न डॉ. आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केंद्र का निर्माण कराया जा रहा है। इसमें एक भव्य प्रेक्षागृह, पुस्तकालय, अतिथि गृह, और शोध केंद्र शामिल हैं। इसी स्मारक में डॉ. आंबेडकर की 25 फीट ऊंची भव्य कांस्य प्रतिमा स्थापित की गई है। डॉ. निर्मल ने कहा कि अखिलेश यादव ने जहां बाबा साहब के नाम को मिटाने का काम किया, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बाबा साहब को घर-घर तक पहुंचाने और उन्हें सम्मानित करने का कार्य किया। योगी आदित्यनाथ आज के दलित मित्र हैं, जिन्होंने डॉ. आंबेडकर के विचारों को पुनः स्थापित किया।

संपादकीय Editorial

Naxalism is still alive

Union Home Minister Amit Shah has been repeatedly claiming that Naxalism will be wiped out by March 2026. The sacrifices of our brave soldiers will not go in vain in this fight. Naxalism is kneeling down, Naxalites are surrendering. A day will come when not even a name of Naxalism will be left. The country wants the Home Minister's claim to come true one day, because Naxalism is also a special kind of terrorism, but the way Naxalites have 'martyred' 8 soldiers and a driver by detonating an IED in Ambeli village of Bijapur district of Chhattisgarh is a soul-stirring attack. This is the biggest, deadliest attack after April 2023 and the first deadly attack of 2025. 10 policemen were 'martyred' by an IED blast on April 26, 2023 in Dantewada area of ????Chhattisgarh. This time the security forces were returning after killing 5 Naxalites in a successful operation in the Abujhmad forest. However, the 'road opening party' was clearing the road. There were some other vehicles in the convoy, which went on an alternate route. The Naxalites targeted a vehicle and the vehicle was blown to pieces in the explosion. It is said that about 70 kg of explosives were used in the attack. Therefore, a very important and serious question is why the 'road opening party' could not see and catch so many explosives? If the road had been cleared seriously, the explosive could have been caught and it could have been neutralized. This was clear negligence, ignorance, which took the lives of our soldiers. Now once again the debate will start that why the movement of security forces cannot be done through air flight instead of road? This question was also raised after the Pulwama (Kashmir) terrorist attack in February, 2019, in which 40 of our security personnel were 'martyred'. This time the explosion in Bijapur district was so powerful that the parts of the vehicle were scattered up to 400 meters away. A part of the vehicle was found hanging on a tree about 30 feet away. A crater about 10-12 feet deep and wide was formed at the spot itself. The bodies of the soldiers were also mutilated. The Naxalites escaped after the explosion. As soon as the explosion took place, the soldiers of the road opening party took charge, but martyrdom had already happened. This attack itself proves that Naxalism is still alive. Their strategy is proving to be effective. They have weapons and killer explosives, so the question is how is it possible to completely eliminate Naxalites by 2026? Last year in 2024, 287 Naxalites were killed, about 1000 were arrested, 837 surrendered, but our soldiers have also been 'martyred'. This is a matter of concern for us. Naxalism is still present in 30 districts of the country. Out of these, 8 districts are from Chhattisgarh. Dantewada and Bastar regions have been considered the strongholds of Naxalites. About 94 percent of the incidents and deaths due to Naxalism occur in these districts. The soldiers who were martyred in this attack belonged to the District Reserve Guard. This is a unit of the state police, but we also remember those incidents when on April 6, 2010, Naxalites killed 76 CRPF soldiers in a single attack.

KTUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश,
उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली
,बिहार पंजाब छत्तीसगढ़ राजस्थान
आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला
ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

Tibet earthquake a warning for North India

The Himalayan region of India has always been highly affected by earthquakes due to its geological structure and the residents here often have to face the dangers of earthquakes. In the first week of the new year, an earthquake of about 7 magnitude occurs in Shigatse region of Tibet and its fear tremors are felt in North India and especially in the Himalayan states. This earthquake is a warning for North India and especially in the Himalayan states. The fear of earthquake is more in the Himalayan states because, in terms of seismic sensitivity, this region falls in Zone 5 and Zone 4, which are considered to be the most sensitive. Earthquake scientists have already warned that except Nepal, Himalayan India has not experienced a major earthquake of 8 magnitude for more than 100 years, due to which a lot of geological energy has accumulated inside the earth which can come out anytime with a very severe earthquake. This explosion of geological energy or earthquake can be of 8 or more magnitude on the Richter scale which can be very destructive. Since it cannot be stopped, the guarantee of safety lies in caution, vigilance and awareness. If you look at the website of the National Seismological Center, it mentions that on 8 January alone, 24 earthquakes of 2.8 to 4.9 magnitude were recorded in Sikkim. The same number of earthquakes were recorded in Sikkim on 7 January too. From January 1 to January 8 this year, dozens of earthquakes were recorded in Manipur, Doda in Himachal Pradesh, Singrauli in Madhya Pradesh and Kutch in Gujarat. According to a statement given by Earth Sciences Minister Kiren Rijiju in the Lok Sabha on December 6, 2023, the number of earthquakes in North India and Nepal is continuously increasing and the main reason for this is the activation of the Almora Fault in western Nepal. Scientists already keep warning of danger around faults like MCT. The Indian subcontinent is colliding with the Eurasian plate - The Himalayan region of India has always been highly affected by earthquakes due to its geological structure and the residents here often have to face the dangers of earthquakes. It is known that the Himalayan region is one of the most sensitive places on Earth from a physical point of view. The Himalayas are considered to be the youngest and most fragile mountains. This region is located between the Eurasian and Indian plates, where both the plates collide with each other. This collision is one of the main causes of earthquakes. According to geological history, the Indian subcontinent was originally an island that collided with Asia about 50 million years ago and in the process the Himalayas were formed. This collision caused intense pressure and stress on the surface of the earth, which still causes earthquakes. The collision of the Indian and Eurasian plates continues and results in the generation of large amounts of geological energy, which suddenly shakes the surface of the earth in the form of earthquakes. The Himalayan region is located at a very high altitude, where the structure of the land is constantly changing. Earthquakes cause upheaval in the structure of these mountains. Mining, hydroelectric projects, and other construction activities in hilly areas can also stimulate seismic activities. These activities increase the pressure inside the earth, which can cause earthquakes. The tremendous energy stored inside the earth can be released - There has been no major earthquake (of 8.0+ magnitude) in Uttarakhand and the Himalayan region for more than 100 years. The last major earthquake of 8.0 magnitude in the Himalayan region occurred in 1934 (Nepal-Bihar earthquake) and 1950 (Assam earthquake). This situation is called "seismic gap". According to geologists, a large amount of geological energy is being accumulated due to this gap. Due to this energy not being released for a long time, the possibility of a major earthquake in the future has increased. If seen in historical perspective, the Garhwal earthquake occurred in 1803 whose magnitude was more than 7.5 and it caused widespread devastation. After that, there was a terrible famine in Garhwal. After this, the Kangra earthquake occurred in 1905 whose magnitude was 7.8, which also caused great devastation in the Himalayan region. The magnitude of the Assam-Tibet earthquake of 1950 was 8.6. This was the largest earthquake recorded in the Himalayas, but Uttarakhand remained safe from it. Garhwal and Kumaon regions of Uttarakhand have remained untouched by a major earthquake for almost 100 years, due to which scientists believe that so much geological energy has accumulated due to this "seismic gap" that if released all at once, it can be more destructive than many nuclear bombs. Therefore, keeping in view the future dangers, the use of earthquake-resistant techniques and disaster management preparations are extremely necessary. Caution and vigilance are the biggest protection - although earthquake is a natural phenomenon that cannot be stopped. Not only this, it is not possible to predict an earthquake at present. The biggest way to avoid it is to learn to live with nature. Earthquake does not kill anyone. The one who kills is our house or building which we build for our safety and convenience. If the structure of the building is made earthquake-resistant, then the loss of life and property can be reduced. For this, we should learn a lesson from Japan. The Government of India has implemented construction standards like "Indian Standard 1893", which is an important step towards the construction of earthquake-resistant structures. Apart from this, some seismic activities are predicted through various scientific research. This can be done. For this, satellites and other modern technologies can be used. It is important to strengthen the seismic network in India and develop related warning systems. It is extremely important for citizens to know how they should react in case of an earthquake. Regular training and exercises should be conducted in schools, offices and communities regarding earthquake safety. Apart from this, anti-earthquake kits like water, food, first aid materials and other essential items should be kept ready. The strength of roads, bridges and other important infrastructure in the Himalayan regions should be increased so that their collapse or damage during an earthquake is reduced. Also, attention should be paid to the repair and reconstruction of old structures.

Comfort for the old at the margins

The content of comfort and the age gap, life is in trouble at this age. The statistics of social security in Himachal are quite good, but the claws of society are hurting the old. There is no comfort anywhere, the elderly are getting imprisoned in the jungle of development. While upgrading the tourist resorts and tourism projects in the resorts, we are forgetting that the destinations of life are achieved on the paths of peace in the simplicity of the mountains. Is Himachal increasing the protection and comfort of the senior citizens or has the encroachment of development taken away this courtesy as well. Of course, by adopting some orphan children, Sukhu Sarkar has become Sukhashray Sarkar and the recognition of this responsibility is getting a new color every day, the future is being tested in day boarding schools for the education of children, but where is the place for the elderly. Of course, in the name of senior citizens, some posters may be found pasted in the mute corridors of hospitals or there may be indications to sit on the worn out seats of HRTC buses, but neither the shoulders of the society nor the intentions of development are able to sympathize with the old people on the margins of age. The surprising scenario is where the progress of Himachal has lost the duty of seniority in the harmony of society. This is the condition from the threshold of the village to the steps of the city. After all, when and where will the old age lost in solitude get such assurance that peace is assured for them at the place. That is, in today's situation, every city and village should have a park or community ground where the elderly can spend a few hours in peace. Concepts like wellness centers give assurance, but these will not give rise to social culture. There is no nature of giving a shoulder of comfort to the elderly in any scheme of the local bodies. As a result, the senior citizens are being robbed of their place amidst the increasing vehicles and new construction. The most peaceful moments for an elderly citizen can be found in a park, but in Himachal, the efforts in this direction are nominal. The middle class of the state has become like a house, where it becomes a wall of the society by adding bricks to all the demands of age. Of course we have progressed. Our schemes have changed the words of progress by working hard, but in this list, retired citizens are not allowed to take a walk even a few steps. There are no clubs where senior citizens can share their sensitivity and the height of experience. More or less, even children are not getting community grounds now. During this time, bicycle showrooms have increased, but there is no place for children to cycle. Wealth cannot always be useful for the protection of the elderly, but for the protection of advancing age, facilities like parks are needed to find maximum comfort. There is a need for such changes in the urban transport system that can take senior citizens to their destination. In the banking market, the person who has been saving his salary, his hard work, his earnings and his savings throughout his life, needs an arrangement to touch his own accounts. Former Transport Minister Late GS Bali had driven taxis in Shimla. Will such treatments for the elderly be introduced in the traffic-congested cities of HRTC's transport fleet? Among the 70 lakh population of Himachal, there are at least 20 lakh people who want to experience life with the comfort of senior citizens. Many elderly people are locked alone in bungalows, apartments or houses because their children are busy with the compulsions and busyness of the metropolis in search of jobs. In such a situation, this loneliness needs moments of public peace, which will be available in a safe park outside all the walls. The government should first of all build at least four community grounds in every city. Apart from this, the campuses of the educational institutions that are being closed should be converted into child and elderly welfare centers, where the feeling of living throughout the day can be enriched. Apart from this, a place or a roof in the proposed day boarding school campuses will have to be reserved for senior citizens and a curriculum of living will have to be developed for them. By building traffic-free corridors or mall roads in cities as well as villages, a safe area for walking can be provided to the elderly, children and women of the state.

लखनऊ में मुख्यमंत्री से मिले कुंदरकी के भाजपा विधायक रामवीर सिंह, क्षेत्र के 17 संपर्क मार्गों की मरम्मत कराने की मांग

मुरादाबाद- लखनऊ में को कुंदरकी के भाजपा विधायक रामवीर सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की।

उनसे अपने क्षेत्र के लोक निर्माण विभाग द्वारा 17 संपर्क मार्गों की मरम्मत कराने का अनुरोध किया कुंदरकी विधायक ने मुख्यमंत्री को 17 संपर्क मार्गों की सूची दी। बताया कि उनके विधानसभा क्षेत्र में 17 संपर्क मार्ग जिसमें ग्राम दोलारी से नवाबपुरा तक, हवाई अड्डा संपर्क मार्ग से भदासना तक, लोनिवि रोड से ग्राम समदा तक सहित अन्य गांवों के संपर्क मार्ग शामिल हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि इन संपर्क मार्गों के जर्जर होने से जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आग्रह किया कि इन संपर्क मार्गों की विशेष तौर पर मरम्मत कराने के लिए लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को आदेश दें। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री ने जल्द ही इन संपर्क मार्गों की मरम्मत का कार्य शुरू कराने का आश्वासन दिया है। मुलाकात के दौरान भाजपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष मनोज गुप्ता भी मौजूद रहे।

मुरादाबाद पुलिस ने 12 घंटे में ढूंढ निकाला लापता बच्चा, मां की डांट से नाराज होकर पहुंचा था रोहतक

मुरादाबाद- मझोला थाना क्षेत्र से बुधवार को लापता हुए 11 साल के बच्चे को मुरादाबाद पुलिस ने 12 घंटे के अंदर ढूंढ निकाला। मुरादाबाद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने बच्चे की सकुशल बरामदगी के लिए रातभर 10 से ज्यादा टीमों को गठित कर दौड़ाए रखा। एसएसपी खुद तड़के चार बजे तक इस केस की मॉनीटरिंग करते रहे। बच्चे की लोकेशन मिलने के बाद ही पुलिस ने राहत की सांस ली। पुलिस ने मुरादाबाद के रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड से लेकर सहारनपुर तक 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को फिल्टर किया। लापता हुआ बच्चा मझोला थाना क्षेत्र के लाइनपार का नक्श कुमार पुत्र निपेंदर कुमार था, जिसको पुलिस ने रोहतक से सकुशल बरामद किया है। नक्श ने बताया कि मां अमृता रानी ने उसको किसी बात पर डांट दिया था, जिसको बाद वह घर से नाराज होकर निकल गया था। फिर मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पहुंचा और अमृतसर जाने वाली ट्रेन में बैठ गया था, इसके बाद वह सहारनपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा और फिर वहां से रोहतक चला गया था।

कोर्ट में पेश हुईं रामपुर की पूर्व सांसद जयाप्रदा, बोलीं-वक्त जरूर बदला है, लेकिन महिलाओं के लिए इंसाफ पाना आसान नहीं

मुरादाबाद- रामपुर की पूर्व सांसद और अभिनेत्री जयाप्रदा गुरुवार को मुरादाबाद कोर्ट में हाजिर हुईं। तारीख पर नहीं आने की वजह से उनके खिलाफ कोर्ट से वारंट जारी हुआ था। कोर्ट में हाजिर होने के

बाद जयाप्रदा ने कहा- वक्त जरूर बदला है, लेकिन महिलाओं के लिए इंसाफ पाना अभी भी इतना आसान नहीं है। इसके लिए संघर्ष और इंतजार दोनों करने पड़ते हैं। जयाप्रदा ने कहा कि सीता मैया को भी 14 साल का इंतजार करना पड़ा था। जमाना बदल गया है, लेकिन महिलाओं के लिए सम्मान की लड़ाई लड़नी हो तो संघर्ष और इंतजार तो करना ही पड़ता है। लेकिन, मैं हार मानने वाली नहीं हूं। मेरे ऊपर अभद्र टिप्पणी करने वाले आजम खां के 6 चेलों, उनके बेटे अब्दुल्ला और मुरादाबाद के पूर्व सांसद एसटी हसन को सिखाकर रहूंगी कि महिलाओं का सम्मान कैसे किया जाता है। एसटी हसन ने जयाप्रदा को मंच से तवायफ कहा था। मामला 2019 का है। जयाप्रदा ने रामपुर से आजम खां के खिलाफ चुनाव लड़ा था। लेकिन, वो चुनाव हार गई थीं। आजम खां चुनाव जीतकर सांसद बने थे। उसी वक्त मुरादाबाद से सपा के टिकट पर डॉ. एसटी हसन चुनाव जीतकर एमपी बने थे। एसटी हसन को आजम की वजह से ही मुरादाबाद का टिकट मिला था। इसलिए चुनाव जीतने के बाद एसटी हसन ने आजम खां के स्वागत में एक कार्यक्रम का आयोजन किया था। ये कार्यक्रम मुरादाबाद के कटघर इलाके में स्थित मुस्लिम डिग्री कॉलेज में हुआ था। इस कार्यक्रम में एसटी हसन ने जयाप्रदा को नाचने वाली कहा था। इसके अलावा उनके लिए तवायफ जैसे भद्दे शब्दों का इस्तेमाल किया था। इसके अलावा भी उन्होंने जयाप्रदा को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणियां की थीं। इतना ही नहीं जब उनके इस बयान का वीडियो वायरल हुआ तो एसटी हसन ने इसके लिए माफी नहीं मांगी बल्कि अपनी बात को दोहराते हुए कहा था कि नाचने वाली को तवायफ न कहें तो और क्या कहें? इस मामले में जयाप्रदा के मीडिया एडवाइजर/पीए की और से मुरादाबाद के कटघर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। मुरादाबाद के तत्कालीन सांसद डॉ. एसटी हसन, आजम खां, आजम के बेटे अब्दुल्ला आजम और उनके 6 अन्य समर्थक व पदाधिकारियों को नामजद किया गया था। इसी केस की सुनवाई मुरादाबाद की एमपी/एमएलए कोर्ट में चल रही है। इसमें जयाप्रदा को अपनी गवाही देने के लिए कोर्ट में हाजिर होना था। लेकिन बार-बार बुलाने के बाद भी वो कोर्ट में नहीं आईं। जिसकी वजह से कोर्ट ने उनके खिलाफ वारंट जारी कर दिया था। इसी मामले में जयाप्रदा गुरुवार को कोर्ट में पेश हुईं और अपने अधिवक्ता के माध्यम से अपने वारंट रिकॉल कराए।

संक्षिप्त समाचार

महिला सिपाही ने प्लेटफार्म पर कराया गर्भवती का प्रसव, डीजीपी ने की 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा

पति के साथ गरीबरथ में सफर कर रही थी बिहार निवासी सविता, प्रसव पीड़ा बढ़ने पर प्लेटफार्म पर कराई डिलीवरी

मुरादाबाद- बिहार निवासी गर्भवती सविता अपने पति के साथ ट्रेन संख्या-14202 गरीब रथ एक्सप्रेस से अमृतसर से बिहार की यात्रा कर रही थी। महिला को अचानक प्रसव पीड़ा हुई। महिला की हालत देख जीआरपी थाने पर तैनात महिला कांस्टेबल बबिता दौड़ती हुई मौके पर पहुंचीं। उन्होंने महिला पुलिस कर्मियों और कुछ महिला यात्रियों की मदद से तुरंत महिला को पर्दा लगाकर कवर किया। प्रसव पीड़ा बढ़ने पर महिला कांस्टेबल बबिता ने प्लेटफार्म पर ही महिला की डिलीवरी कराई। इस दौरान महिला पुलिस कर्मी और महिला यात्री महिला के चारों ओर घेरा बनाकर खड़ी रहीं। उसे पर्दे से कवर किया गया था। महिला कांस्टेबल ने बड़ी सूझबूझ के साथ प्लेटफार्म पर ही डिलीवरी कराई। जिसके बाद जच्चा बच्चा दोनों सुरक्षित हैं। डिलीवरी के बाद एंबुलेंस की मदद से महिला और नवजात शिशु को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सीओ जीआरपी अनिल कुमार ने बताया कि महिला का नाम सविता है। वह अपने पति के साथ गरीब रथ से सफर कर रही थी। प्रसव पीड़ा बढ़ने पर महिला को मुरादाबाद स्टेशन पर उतारा गया था। महिला कांस्टेबल बबिता ने स्टेशन पर उसकी डिलीवरी कराई। इस सराहनीय कार्य के लिए प्रदेश के डीजीपी ने महिला सिपाही बबिता को 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा है। एक महिला ने रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर बेटे को जन्म दिया। महिला अपने पति के साथ गरीबरथ में सफर कर रही थी। चलती ट्रेन में प्रसव पीड़ा होने पर महिला को मुरादाबाद रेलवे स्टेशन पर उतारा गया था। पति उसे लेकर अस्पताल जाना चाहता था। लेकिन, महिला की हालत ऐसी नहीं थी। जिसके बाद जीआरपी थाने में तैनात महिला सिपाही ने अन्य महिलाओं की मदद से महिला यात्री की डिलीवरी कराई। जिसके बाद महिला को बेटा पैदा हुआ। महिला व उसके नवजात शिशु को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं डीजीपी ने महिला सिपाही को 10 हजार रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है।

जेल में बंद पूर्व ब्लॉक प्रमुख के साथी पर दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज

ललित कौशिक के साथी ने महिला को स्कूल में नौकरी दिलाए जाने का झांसा देकर किया था दुष्कर्म

मुरादाबाद- सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की रहने वाले एक महिला ने पूर्व ब्लाक प्रमुख ललित कौशिक के साथी कमलवीर सिंह पर स्कूल में नौकरी दिलाने के नाम पर दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला का आरोप है कि आरोपी ने उसे बहाने से अपने घर पर बुलाया और दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। थाना सिविल लाइंस क्षेत्र निवासी महिला ने सीओ सिविल लाइंस अर्पित कपूर को शिकायती पत्र देकर बताया कि उसका पति दो बच्चों के साथ उसे छोड़कर जा चुका है। इसी दौरान उसकी मुलाकात सिविल लाइंस थाना क्षेत्र की आशियाना कॉलोनी के प्रकाश एनक्लेव निवासी कमलवीर सिंह से हुई। उस समय कमलवीर ने उसे खुद को शिक्षक बताया था। महिला ने आरोप लगाया कि कमलवीर सिंह से उसने किसी काम पर लगाए जाने की बात कही थी।

जिस पर कमलवीर सिंह ने एक स्कूल में उसकी नौकरी लगवाने का झांसा दिया था। महिला का आरोप है कि 15 अगस्त 2023 को कमलवीर ने उसे कॉल की और नौकरी की बात करने के लिए अगवानपुर पुल के पास बुला लिया। यहां से कमलवीर उसे कार में बैठाकर अपने घर ले गया। महिला का आरोप है कि उस वक्त कमलवीर के घर में कोई अन्य सदस्य मौजूद नहीं था। कमलवीर ने उसे यह कहकर घर में ही बैठा लिया कि कुछ लोग आ रहे हैं। उनसे ही नौकरी की बात करनी है। महिला का कहना है कि कमलवीर ने उसे नशा मिली हुई कोल्ड ड्रिंक पिला दी। इसके बाद वह बेहोश हो गई। 16 अगस्त 2023 की सुबह वह होश में आई तो निर्वस्त्र थी। महिला का आरोप है कि कमलवीर ने उसके साथ दुष्कर्म किया। एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि महिला की तहरीर पर केस दर्ज किया गया है। विवेचना में जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। बताया जा रहा है कि दुष्कर्म का आरोपी कमलवीर सिंह जेल में बंद पूर्व ब्लाक प्रमुख ललित कौशिक का साथी है।

मौसम के बदले मिजाज से आलू की फसल में बीमारी का खतरा, जिला कृषि अधिकारी ने खेतों का किया निरीक्षण

किसानों को दी फसल को बीमारी से बचाव की जानकारी

मुरादाबाद- बढ़ती ठंड और घने कोहरे की वजह से आलू की फसल में बीमारी लगने का खतरा बना हुआ है। जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेंद्र सिंह ने देहात क्षेत्र में जाकर किसानों के खेत में निरिक्षण किया और किसानों को बीमारी से बचाव की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बढ़ती ठंड में किसानों द्वारा बोई गई फसलों में फंफूदी जनित रोगों के लगने की सम्भावना बढ़ जाती है। साथ ही मौसम में उतार-चढ़ाव होने पर माहू, चिप्स आदि कीटों के लगने की सम्भावना हो जाती है। जिला कृषि अधिकारी डॉ. राजेंद्र सिंह ने बताया कि इस वक्त बोई गई आलू की फसलों में निरन्तर देख-रेख करने की आवश्यकता है। बोई गई फसलों में आलू की फसलें इस समय सबसे अधिक रोगों व कीटों से प्रभावित होती है। आलू की फसल में लेट विलाइट नमक बीमारी लगने का खतरा है। आलू की फसल में इस समय अगेती व पिछेती झुलसा रोग के प्रकोप की सम्भावना सबसे अधिक होती है। अगेती झुलसा से पत्तियों पर कथई भूरे रंग के छोटे-छोटे चकदे बन जाते हैं। जो धीरे-धीरे बढ़ जाते हैं, जिससे पिछेती झुलसा में पत्तियों व तनों पर भूरे रंग के धब्बे और चकदे के ठीक निचली सतह पर काई जैसी फंगस जमा हो जाती है। उन्होंने बताया कि पिछेती झुलसा रोग आलू की फसल पर तेजी से बढ़ता है, जिसको तुरन्त नियंत्रित करने की आवश्यकता होती है। उन्होंने बचाव की जानकारी देते हुए बताया कि अगेती व पिछेती झुलसा के नियंत्रण के लिए मैकोजेब 75 प्रतिशत इब्ल्यूच्ची की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी अथवा कार्वेण्डाजिम 12 प्रतिशत मैकोजेब 63 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. की 2 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी अथवा जिनेय 75 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करें। पिछेती झुलसा का प्रकोप होने पर मेटाएक्सिल 4 प्रतिशत मैकोजेब 64 प्रति. की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी अथवा सायमोक्सानिल 8 प्रतिशत मैकोजेब 64 प्रति की 3 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी अभया एजेस्ट्रोबिन 18.2 प्रतिनात डिफेनोकोनाजोल 11.4 प्रतिशत एससी की 1 एमएस मात्रा प्रति लीटर पानी अथवा कॉपर आयसीकलोराइड 50 प्रतिशत की 2 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें। वहीं आलू के खेत में आग जला कर फसल पर धुंए की परत बना कर फसल को पाला से बचाया जा सकता है। अगती खेती में मंडी में आई आलू की फसल में स्वाद की कमी आ रही है। जिससे थोक विक्रेता का आलू बाजार में सधिक मात्रा में नहीं आ पा रहा है। थोक विक्रेताओं को आलू की फसल में इस बार काफी नुकसान होने की संभावना बनी हुई है।

प्रेम शंकर शर्मा ने मुरादाबाद में रखी थी प्रखर राष्ट्रवादी राजनीति की नींव

चौथी पुण्यतिथि पर आज लोकतंत्र सेनानी पार्क में उनकी प्रतिमा का होगा अनावरण, पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे मुख्य अतिथि, लोकतंत्र सेनानियों का करेंगे

मुरादाबाद- लोकतंत्र सेनानी स्वर्गीय प्रेम शंकर शर्मा ने मुरादाबाद में प्रखर राष्ट्रवादी और तल्ख तेवर वाली राजनीति की नींव रखी थी। अंबिका प्रसाद इंटर कॉलेज में अंग्रेजी प्राध्यापक के रूप में सेवाएं देते हुए प्रेम शंकर शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रभाव में जिले में राष्ट्रवादी विचारधारा की अलख जगाने वाले प्रेम का अनावरण होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल जनपद के रहने वाले लोकतंत्र सेनानी स्व. प्रेम शंकर शर्मा का शुरुआती शिक्षा के बाद उन्होंने उच्च शिक्षा चंदौसी के एसएम विवाह 1960 में रामबेटी देवी के साथ हुआ। प्रेम शंकर शर्मा मुरादाबाद आ गए और अंबिका प्रसाद इंटर कॉलेज में अंग्रेजी लोकतंत्र सेनानी प्रेम शंकर शर्मा आरएसएस से प्रभावित होकर ने 25 जून 1975 को देश में आपातकाल घोषित किया तब क्रांतिकारियों ने अपने घर-परिवारों की परवाह किए बिना दिया। प्रेम शंकर शर्मा पर मीसा लगा दी गई। उन्होंने अलग-को सहा। लोकतंत्र रक्षक सेनानियों का यह सत्याग्रह रंग लाया का दर्जा प्राप्त हुआ। प्रेम शंकर शर्मा का निधन 9 जनवरी

आ गए और 1975 में आपातकाल का विरोध करते हुए जेल गए। जेल से वापस आने के बाद शंकर शर्मा की चौथी पुण्यतिथि पर गुरुवार को अवंतिका कॉलोनी के पार्क में उनकी प्रतिमा कलराज मिश्र होंगे। इस दौरान लोकतंत्र सेनानियों का भी सम्मान होगा। मूलतः बदायूं जन्म 15 फरवरी सन 1942 को हुआ था। उनका व्यक्तित्व बड़ा क्रांतिकारी था। बदायूं से ही कॉलेज से प्राप्त की। तीन विषयों हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत में उन्होंने एम.ए. किया। उनका ने प्रवक्ता पद पर सेवा की शुरुआत नजीबाबाद के जैन इंटर कॉलेज से की। इसके बाद वह प्राध्यापक के रूप में अपनी सेवाएं देना आरंभ की। इसके बाद वह यहीं के होकर रह गए। पूर्णकालिक स्वयंसेवक के रूप में जुड़ गए और विभिन्न पदों पर रहे। तत्कालीन केंद्र सरकार उन्होंने सरकार की नीतियों का कड़ा विरोध करते हुए सत्याग्रह किया। उनके साथ ही अनेक सरकार के विरोध में सत्याग्रह में शामिल हो गए। शासन ने उन्हें गिरफ्तार कर जेल में बंद कर अलग जेलों में 19 महीने का कड़ा कारावास व्यतीत करते हुए शासन द्वारा दी गई यातनाओं और सरकार को झुकना पड़ा। आपातकाल के ऐसे सत्याग्रहियों को बाद में लोकतंत्र सेनानियों 2021 को हुआ। पं. प्रेम शंकर शर्मा से राजनीति का ककहरा सीखने वाले आज विधायक और भाजपा के संगठन में बड़े पदों पर आसीन हैं। इनमें पूर्व विधायक स्वर्गीय संदीप अग्रवाल और भारतीय जनता युवा मोर्चा के पूर्व महानगर अध्यक्ष अतुल दुबे भी शामिल हैं। लोकतंत्र सेनानी पं. प्रेम शंकर शर्मा के संघर्ष और सेवा की स्मृतियों को अमर करने के लिए नगर निगम द्वारा मुरादाबाद की कांठ रोड स्थित अवंतिका कॉलोनी में उनके नाम से पार्क का नामकरण किया है। इसी पार्क में स्थापित उनकी प्रतिमा का अनावरण चतुर्थ पुण्यतिथि पर गुरुवार को राजस्थान के पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्रा द्वारा किया जाएगा। लोकतंत्र सेनानी पं. प्रेम शंकर शर्मा स्मृति न्यास की ओर से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के विभाग सेवा प्रमुख कमल कांत राय करेंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

उत्तराखंड में इसी माह लागू होगा समान नागरिक संहिता कानून, विधेयक तैयार, बरेली में बोले सीएम धामी

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहब ने संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिकता कानून का प्रावधान किया था। ताकि प्रदेश और देश ने समान नागरिक कानून संहिता लागू हो। इसका विधेयक उत्तराखंड में तैयार हो गया है और इसी माह यह लागू करने का प्रयास है।उत्तराखंड जनकल्याण समिति की ओर से आयोजित उत्तरायणी मेले में शामिल हुए उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि लैंड जेहाद बड़ी समस्या थी इसपर अंकुश के लिए कानून के तहत जेहाद पर भी कार्रवाई की। क्योंकि दुनिया भर में जेहाद पर कार्रवाई का नियम बनाया। बाबा साहब ने प्रावधान किया था। ताकि प्रदेश और देश ने समान में तैयार हो गया है और इसी माह यह लागू करने का होकर यह संहिता देश भर में अपनी पहचान बनाएगा, बनाया, दंगाइयों से वसूलेंगे नुकसान का खर्चा-धर्मांतरण हो रहा था। लालच देकर। इस पर प्रभावी हल्द्वानी में दंगा भड़का था जिसे देखते हुए दंगा की जाएगी। सख्त नकल कानून नकल रोकने में देश के चलते गरीबों को नौकरी नहीं मिल पाती थी। नकल में संलिप्त थे उन्हें जेल भेजा, सौ नकल माफिया लोगों को नौकरी मिली। जबकि 19 वर्षों में सिर्फ लिए देवभूमि सर्वोत्तम, फिल्म शूटिंग स्थल के तौर ने कहा कि बीते वर्ष इन्वेस्टर्स मीट में प्रधानमंत्री नरेंद्र

पांच हजार एकड़ जमीन कब्जामुक्त कराई। वहीं, थूक देवभूमि शुद्धता के लिए पहचानी जाती है। लिहाजा थूक संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिकता कानून का नागरिक कानून संहिता लागू हो। इसका विधेयक उत्तराखंड प्रयास है। देवभूमि से पवित्र नदियों की भांति प्रवाहित इसी उम्मीद है।धर्मांतरण रोधी कानून, दंगा नियंत्रण कानून मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि उत्तराखंड में बड़ी तादाद में अंकुश लगाने के लिए धर्मांतरण रोधी कानून बनाया। नियंत्रण कानून बनाया। जो दोषी होगा उसी से पूरी वसूली के अन्य प्रदेशों के लिए उदाहरण है। क्योंकि नकलमाफिया हुनर, बौद्धिकता के बावजूद वे असफल रहते थे। जो भी पर कार्रवाई की। नतीजा रहा कि तीन साल में 19 हजार 14 हजार लोगों को नौकरी मिली डेस्टिनेशन वेडिंग के पर कर रहे विकास, बना रहे टूरिज्म हब- मुख्यमंत्री धामी मोदी आए थे और उन्होंने डेस्टिनेशन वेडिंग के तौर पर उत्तराखंड आने की अपील लोगों से की थी। लिहाजा इसके विकास का खाका खींचा जा रहा है। इसके अलावा फिल्म शूटिंग के तौर पर भी क्षेत्र का विकास चल रहा है। प्रदेश में होम स्टे योजना, लखपति दीदी योजना, स्वरोजगार योजना अन्य योजना लागू की है। ताकि बेरोजगारी से निजात मिल सके। कहा कि महिलाएं ऐसे उत्पाद बना रही हैं, जो इंटरनेशनल लेबल के हैं। खिलौने, प्रसाद, कपड़े आदि तैयार कर रहे हैं। हाउस ऑफ हिमालय के तौर पर प्रसिद्ध कर रहे हैं। हरिद्वार से ऋषिकेश तक बनेगा गंगा कॉरिडोर, ताकि देवभूमि में उमड़ सके भक्ति का सैलाब-सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश की सांस्कृतिक विरासत के पुनर्जागरण का यज्ञ शुरू हुआ है। चौतरफा विकास हो रहा है। चाहे काशी कॉरिडोर हो या उज्जैन में। महाकाल लोक या फिर अयोध्या में मंदिर का निर्माण हो। यह आधार है सांस्कृतिक विरासत का। हमारी सरकार उत्तराखंड में विरासत को सहेजने का प्रयास कर रही हैं। जहां एक ओर बाबा केदारनाथ के धाम का निर्माण हो रहा है तो दूसरी ओर हाल में हुए उपचुनाव में बड़ी विजय मिली। उत्तराखंड के बैजनाथ धाम में करोड़ों की लागत से मास्टरप्लान पर कार्य हो रहा है। मानस खण्ड मंदिर माला मिशन के तहत कुमाऊं क्षेत्र के जितने भी पौराणिक मंदिर हैं, उनके सुंदरीकरण, पुनर्निर्माण का कार्य हो रहा है। प्रतिवर्ष चार करोड़ लोग उत्तराखंड कांवड़ लेने या लेकर जाते हैं। 25 वर्षों में संख्या तेजी से बढ़ेगी। गंगा कॉरिडोर हरिद्वार से ऋषिकेश तक बनाने का निर्णय लिया है। ताकि धार्मिक पर्यटन तेजी से बढ़े। मां पूर्णागिरी दर्शन के लिए सर्वाधिक भक्त पहुंचते हैं। उत्तरायणी मकर संक्रांति की शुभकामना दी, फिर साझा किए मेले से जुड़े विचार-उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में भी आने कि कोशिश की थी। बचपन में भी यहां आता था। पिछली बार छत्रपाल के चुनाव में आया था। पदाधिकारियों ने अनुरोध किया था तब खुद से वादा किया था कि आना है और बरेली आकर ऐसा लग रहा है कि जैसे उत्तराखंड में ही हूं। मेले सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने का काम करते हैं। पूर्व में मेले ही एक दूसरे से मुलाकात का जरिया बनते थे। तब संचार की व्यवस्था नहीं थी। दुख-सुख साझा करते थे। मेले में लोक कला और प्रतिभा को भी मंच मिलता है। नई पीढ़ी भी जुड़ती है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था, कुटीर उद्योगों को भी लोकल से ग्लोबल होने का मौका मिलता है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक सम्पन्न
लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करे अधिकारी-डीएम

मुरादाबाद - जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यों, न्यायिक कार्य, कर-करेत्तर, विभागीय कार्यवाही, न्यायिक पत्रावलियों का दाखिल की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा सभी उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को पुराने वादों को जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए गये। धारा 24, धारा 80, धारा 116, धारा 34 के लम्बित वादों के निस्तारण संबंधी तहसीलवार चर्चा करके जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को वादों के निस्तारण हेतु उचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। आईजीआरएस के संबंध में जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतों का समयान्तर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाये और शिकायतकर्ता से वार्ता कर फीडबैक भी लिया जाये। बैठक में रियल टाइम खतौनी, अविवादित विरासत, अंश निर्धारित संबंधी पेंडेंसियां, मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना योजना के अन्तर्गत पुराने प्रकरणों के निस्तारण संबंधी इत्यादि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गयी, जिस पर जिलाधिकारी ने लम्बित आवेदन/ प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों को यथोचित कार्यवाही कर निस्तारण के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि समस्त उपजिलाधिकारी सीमा स्तम्भों को स्थापित करवाने हेतु कार्यवाही अमल में लाये। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आय, जाति, निवास के लम्बित आवेदनों को भी जल्द से जल्द निपटाया जाये। फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति के संबंध में मुरादाबाद सदर तहसील की प्रगति खराब होने पर प्रगति में सुधार लाने के दिए निर्देश।

स्टाम्प, आबकारी, जीएसटी, परिवहन सहित अन्य संबंधित विभागों की वसूली संबंधी जिलाधिकारी ने की समीक्षा।

बैठक में स्टाम्प, आबकारी, जीएसटी, परिवहन, खनन, विद्युत, मण्डी, सहित अन्य विभागों की राजस्व वसूली संबंधी समीक्षा की गयी। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली की प्रगति बढ़ाने हेतु यथोचित कार्यवाही करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मण्डी सचिव को लक्ष्य के सापेक्ष प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रवर्तन की कार्यवाही को अमल में लाये और वन विभाग के संबंधित अधिकारी से समन्वय बनाकर कार्य करें। जिलाधिकारी ने सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी और बाट-माप विभाग के अधिकारी को प्रवर्तन की कार्यवाही में तेजी लाने के निर्देश दिए।बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन श्री गुलाब चन्द, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व श्री सत्यम मिश्र, अपर जिलाधिकारी नगर ज्योति सिंह, उपजिलाधिकारी सदर, उपजिलाधिकारी कांठ, उपजिलाधिकारी बिलारी, उपजिलाधिकारी ठाकुरद्वारा सहित समस्त तहसीलदार एवं संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहें।

राजकीय आईटीआई में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिशिक्षु मेले का आयोजन

प्रधानाचार्य राजकीय आई0टी0आई0 श्री संजीव कुमार जैन ने बताया कि राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में दिनांक 13 जनवरी 2025 को प्रातः 10:30 बजे से प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिशिक्षु मेले का आयोजन किया जा रहा है। इस मेले में राणा शुगर वर्क्स बेलवाडा मुरादाबाद, जीनस पेपर एण्ड बोर्ड लि0 अगवानपुर मुरादाबाद, अर्पणा प्राईवेट आई0टी0आई0 मुरादाबाद, पं0 सोरनलाल प्राईवेट आई0टी0आई0 मुरादाबाद, के0डी0एम0 प्राईवेट आई0टी0आई0 मुरादाबाद, टाटा मोटर्स लि0 रुद्रपुर, कैलिफोनिक्स टैस एण्ड मैन्युफैक्चरिंग प्राईवेट लि0नोएडा तथा कैलकाम इण्डिया प्राईवेट लि0 सूरजपुर नोएडा जैसी निजी अधिष्ठान प्रतिभाग करेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिशिक्षु का लाभ लेने हेतु इलैक्ट्रीशियन, इलेक्ट्रानिक्स, मैकेनिक, मशीनिष्ट, टर्नर, मैकेनिक मोटर व्हीकल, डीजल मैकेनिक, फिटर, कोपा, स्टेनोग्राफर हिन्दी, मशीनिष्ट आदि से उत्तीर्ण पुरुष/महिला अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 26 वर्ष के मध्य हो वे, अपने समस्त शैक्षिक, तकनीकी प्रमाण-पत्रों एवं आधार कार्ड की छायाप्रति तथा दो फोटो के साथ शिशिक्षु पोर्टल www.apprenticeshipindia.gov.in पर पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें तथा इसके उपरान्त निर्धारित समय पर उपस्थित होकर साक्षात्कार में प्रतिभाग करें।

टी0बी0 मुक्त भारत का 100 दिन का सघन अभियान को हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया गया

विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी श्री सुमित यादव द्वारा टी0बी0 मुक्त भारत का 100 दिन का सघन अभियान को हरी झण्डी दिखाकर रैली को रवाना किया गया। इस अवसर पर बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार द्वारा आंगनवाडी भव निकालकर आगे आने का आह्वान किया स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर घर-घर स्क्रीनिंग कराएंगी। मुख्य विकास अधिकारी आना, बुखार, रात में पसीना आना, वजन पूरा इलाज कराए। उन्होंने यह यह भी अपील गोद लेकर उनके स्वास्थ्य संबंधी जिम्मेदारी टी0बी0 पीड़ित लोगों को आवश्यक पोषण अभियान का मुख्य उद्देश्य है। सीडीओ ने

कार्यकत्रियों के माध्यम से जागरुक करने हेतु एवं अन्य जनमानस का गया। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि आंगनवाडी कार्यकत्रियां जाकर जागरुक करेगी तथा टी0बी0 के लक्षण वाले व्यक्तियों की द्वारा अपील की गयी कि जिन व्यक्तियों में खांसी, खून या बलगम कम होना एवं अस्वस्थ महसूस करें वह अपना स्क्रीनिंग अवश्य कराकर की गयी कि गणमान्य जन, जनप्रतिनिधि टी0बी0 ग्रसित व्यक्तियों को वहन करें और यह भागीदारी अभियान को सफल बनाएगी। इस तरह और सामाजिक सहायता प्रदान करना एवं टी0बी0 कलंक मिटाना इस बताया कि गांव-गांव इस अभियान के माध्यम से शिविर लगाये जायेंगे। इस अवसर पर मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी आदि उपस्थित रहें।

41 साल पहले हत्या का केस, 37 साल पहले गैंगस्टर की कार्रवाई... नकदू ने कैसे हासिल की थी होमगार्ड की नौकरी

आजमगढ़ जिले में फर्जी अंक पत्र के सहारे नौकरी हासिल करने वाले गैंगस्टर की कहानी चौंकाने वाली है। उसके खिलाफ पहली बार 41 साल पहले हत्या का पहला केस दर्ज हुआ था। नकदू के खिलाफ 37 साल पहले गैंगस्टर की कार्रवाई हुई थी। उसकी इससे पता चला कि रानी की सराय थाना क्षेत्र के छुपाने का मुकदमा दर्ज हुआ था। नकदू ने पुरानी हत्या कर दी थी।1987 में नकदू पर डकैती का कार्रवाई की गई थी। हिस्ट्रीशीट भी खोली गई तक की पढ़ाई गांव के प्राइमरी स्कूल की है इसके 1989 में होमगाई की नौकरी हासिल कर ली। रूप में होती थी, लेकिन नौकरी मिलने के बाद दिया चकमा -गैंगस्टर और हिस्ट्रीशीट ने नाम, तक नहीं लगी।

फर्जी कागजात से बना होमगार्ड

हिस्ट्रीशीट भी खोली गई थी डीआईजी ने मामले की जांच कराई। चकवारा निवासी नकदू के खिलाफ 1984 में हत्या और साक्ष्य दुश्मनी में जहानागंज के रहने वाले मुन्ना यादव की गोली मारकर दूसरा मुकदमा दर्ज हुआ। उसके खिलाफ 1988 में गैंगस्टर की थी। पुलिस की जांच में सामने आया कि नकदू यादव ने कक्षा चार बावजूद आठवीं कक्षा पास होने का फर्जी अंक पत्र बनवा कर इससे पहले तक उसकी पहचान नकदू यादव पुत्र लोकई यादव के पहचान बदल । नाम बदल कर नौकरी करने लगा। पुलिस को भी पहचान बदल कर विभाग में नौकरी हासिल कर ली, लेकिन किसी को भनक रानी की सराय थाने की पुलिस और लोकल इंटेलिजेंस ने नौकरी से संबं धित दस्तावेजों को सत्यापन भी कर दिया। चरित्र प्रमाण पत्र पर 1992 में हस्ताक्षर किए गए।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए सम्पर्क करे- 9027776991

संक्षिप्त समाचार

काली माता मंदिर के पुजारी की निर्मम हत्या, मारते-मारते डंडा टूटा तो ईंटों से कूचा सिर

अमित गिरी के अनुसार करीब 10 दिन पहले बाहर के रहने वाले साधु शिवचंद्र गिरी (45) पंचेश्वर नाथ मंदिर पर पहुंचे और वह मंदिर परिसर में रह रहे थे। यूपी के फरीदपुर में बरेली स्थित मंदिर पर काली माता पहुंचे बाहरी बुधवार रात अज्ञात लोगों साधु की परिसर में द्वारा मंदिर सिर डंडा व ईंटों से कुचलकर निर्मम हत्या कर दी गई।

बृहस्पतिवार सुबह मंदिर पर पहुंचे नागा बाबा अमित गिरी ने खून से लथपथ साधु का शव पड़ा देखा। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस व फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल की। शव का पंचनामाभर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं एसएसपी बरेली ने घटना स्थल पर पहुंच कर घटना के बारे में जांच पड़ताल की। गांव में हैं दो मंदिर फरीदपुर क्षेत्र के पचौमी गांव में गांव के बाहर पश्चिम दिशा में काली माता का मंदिर है। वहीं गांव के पूरब दिशा में पंचेश्वर नाथ शिव का मंदिर है। काली माता मंदिर पर क्षेत्र के गांव रमपुरिया निवासी नागा बाबा अमित गिरी रहते हैं। मंदिर परिसर में ही बनी दूसरी कोठरी नगरीय विक्रम निवासी नरेश गिरी की है। 10 दिन पहले आए थे शिवचंद्र गिरी-अमित गिरी के अनुसार करीब 10 दिन पहले बाहर के रहने वाले साधु शिवचंद्र गिरी (45) पंचेश्वर नाथ मंदिर पर पहुंचे और वह मंदिर परिसर में रहने लगे। बुधवार शाम बाबा शिव चंद्र गिरी ने शराब पी ली जिस पर पंचेश्वर नाथ मंदिर के महंत ने उन्हें मंदिर परिसर से बाहर जाने को कह दिया। डंडा टूटा तो ईंटों से सिर कूचा-उस मंदिर से वह रात में काली माता मंदिर पर सोने चला गया। वहां पर रात में अज्ञात लोगों द्वारा बाबा के सिर पर डंडे से कई बार किए। जिससे डंडा करीब चार टुकड़ों में टूट गया। इसके बाद ईंटों से सिर कूचकर निर्मम हत्या कर दी। बृहस्पतिवार सुबह हत्या की जानकारी हुई तो सनसनी फैल गई। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम भेजने के साथ जांच शुरू कर दी।

आदमखोर बाघ ने वनकर्मी पर किया हमला... मारकर खा गया शरीर का एक हिस्सा, फायरिंग कर भगाया

कार्बेट टाइगर रिजर्व के सांवल्दे के जंगलों में दैनिक श्रमिक प्रेम लकड़ी लेने गया था। तभी बाघ ने हमला कर दिया। शोर सुनकर लोग पहुंचे और पास ही मौजूद वनकर्मियों को सूचना देकर बुलाया।कार्बेट टाइगर रिजर्व के कालागढ़ स्थित सांवल्दे गांव के जंगलों में बाघ ने वन विभाग के 35 वर्षीय दैनिक श्रमिक प्रेम पर हमला कर दिया। श्रमिक को मारकर बाघ उसके शरीर का एक हिस्सा खा गया। वन कर्मियों ने फायरिंग

कर बाघ को भगाया। प्रेम की मौत होने ग्रामीणों में रोष है।कार्बेट टाइगर रिजर्व के वन्य जीव कड़ाके की सर्दी के बीच हिंसक हो चले हैं। बृहस्पतिवार को कार्बेट टाइगर रिजर्व के सांवल्दे के जंगलों में दैनिक श्रमिक प्रेम को बाघ ने हमला कर मौत के घाट उतार दिया। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीमें पहुंची और श्रमिक को निवाला बना रहे बाघ को फायरिंग कर दौड़ाया। बाघ उसके शरीर का कुछ हिस्सा खा गया। सांवल्दे गांव में बाघ के हमले की सूचना आग की तरह फैल गई। वन्यजीवों से सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों में जोरदार रोष फैल गया। मौके पर पार्क वार्डन अमित ग्वासाकोटी व अधीनस्थ अधिकारी पहुंच गए। उन्होंने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया। साथ ही कहा कि पीड़ित परिवार को विभाग से मिलने वाली प्रारंभिक सहायता राशि दी जाएगी।फायरिंग कर भगाया बाघ को पार्क वार्डन ने बताया कि प्रेम अपने परिवार के साथ जंगल में लकड़ी लेने गया था। अचानक बाघ ने उस पर हमला कर दिया। शोर सुनकर वनकर्मी मौके पर पहुंचे और फायरिंग कर बाघ को भगाया। गश्ती दलों को जंगल में तैनात कर दिया गया है। कैमरा ट्रैप लगाया जा रहा है। जंगल में निगरानी बढ़ाई-कार्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डा. साकेत बडोला ने बताया कि घटना को लेकर अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया है। आदमखोर बाघ की तलाश की जा रही है। 31 जुलाई को कालागढ़ में ली थी महिला की जान-पांच महीने पहले कालागढ़ की केंद्रीय कॉलोनी में बाघ ने घर में घुसकर बर्तन धो रही टीना को मौत के घाट उतार दिया था। अभी तक वन विभाग पीड़ित परिवार को पूरी सहायता भी नहीं दे पाया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा बोले- अब लोगों को असम में ही मिल रहा है कैंसर का बेहतर इलाज

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि पहले असम के लोगों को कैंसर के उपचार के लिए बाहर जाना पड़ता था, लेकिन अब राज्य में ही यह उपचार मिल रहा है। नड्डा ने कहा कि केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पूर्वोत्तर में स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने बुधवार को कहा कि पूर्वोत्तर और देश के अन्य हिस्सों के लोगों की बेहतर सेवा के लिए और अधिक सुपर चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले असम बाहर जाना पड़ता था, लेकिन अब यहीं स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए हम इस दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे ऑफ गवर्नर्स में जितने भी मांग हमारे दिया है।% यह बात उन्होंने बुधवार को गवर्नर्स की बैठक की अध्यक्षता करने मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा और असम उपस्थित थे। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री संस्थान के नए पुस्तकालय और सूचना लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई क्षेत्रीय मंगालदाई जिला सिविल अस्पताल क्रिटिकल केयर ब्लॉकजिला सिविल केयर ब्लॉक की नींव रखी- नड्डा ने सिविल अस्पताल में अत्याधुनिक 50- (सीसीबी) की नींव रखी। यह 23.75 करोड़ रुपए की वित्तीय

स्पेशलिटी विभाग स्थापित किए जाने के लोगों को कैंसर के इलाज के लिए पर इलाज मिल रहा है।%पूर्वोत्तर में केंद्र की मोदी सरकार प्रतिबद्ध है और हैं। एलजीबीआरआईएमएच में बोर्ड सामने आए, हमने उसे स्वीकृत कर एलजीबीआरआईएमएच में बोर्ड ऑफ के बाद कहीबैठक में असम के के स्वास्थ्य मंत्री अशोक सिंघल भी ने तेजपुर में एलजीबीआरआईएमएच केंद्र का उद्घाटन किया। जिसमें मानसिक स्वास्थ्य संस्थान और की नींव रखी। 50-बेड का अस्पताल में 50-बेड के क्रिटिकल दारांग जिले के मंगालदाई जिला बेड के क्रिटिकल केयर ब्लॉक सीसीबी पीएम अभिम योजना के तहत सहायता से निर्माण किया जाएगा, जो असम के लोगों के लिए उन्नत स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक पहुंच को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगा।कैंसर अस्पताल और टाटा ट्रस्ट के कैंसर देखभाल परियोजना का निरीक्षण-दारांग के दौरे के दौरान नड्डा ने कैंसर अस्पताल में चल रहे इलाज का निरीक्षण किया और टाटा ट्रस्ट के तहत कैंसर देखभाल परियोजना का दौरा किया। उन्होंने कहा, पहले लोगों को कैंसर इलाज के लिए राज्य से बाहर जाना पड़ता था, लेकिन अब दारांग के लोग यहीं अपने घर में इलाज प्राप्त कर सकते हैं। एम्स गुवाहाटी का दौरा और कार्यों की समीक्षा-देर शाम को नड्डा, मुख्यमंत्री हिमांता बिस्व सरमा के साथ, एम्स गुवाहाटी पहुंचे, जहां उन्होंने संस्थान में चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। नड्डा ने कैंपस में एक पौधा रोपा और संस्थान द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न गतिविधियों का निरीक्षण किया। इस दौरान एम्स गुवाहाटी के कार्यकारी निदेशक डॉ. अशोक पुराणिक और संस्थान के वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे।

विदेश में कोई परेशानी हो तो सरकार पर रख सकते हैं विश्वास, सम्मेलन में बोले जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन में भारतीय प्रवासियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस दौरान कहा कि हमें अपने प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों पर गर्व है।विदेश मंत्री एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा का महत्व हर साल बढ़ता जा वैश्विक कार्यबल बनाने की है।%प्रवासी भारतीयों की प्रवासी भारतीय दिवस सम्मेलन संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अगर विदेश में कभी भी कोई सकते हैं कि नरेंद्र मोदी सरकार कहा, 'हमें अपने प्रवासी गर्व है।'हम वैश्विक श्रमबल विदेश मंत्री उन्होंने यह भी कहा, गुजरते साल के साथ प्रवासी रहा है, चाहे प्रौद्योगिकी हो, संसाधन, चाहे पर्यटन हो, तरफ से प्रयास जरूरी है क्योंकि प्रयास कर रहे हैं।'%जीवन जीना कि मोदी सरकार के जन-केंद्रित को भी लाभ मिल रहा है। विदेश सुगमता को बढ़ावा दे सकते हैं, सकते हैं, संपर्क और यात्रा को प्रवासी भारतीयों के हितों को

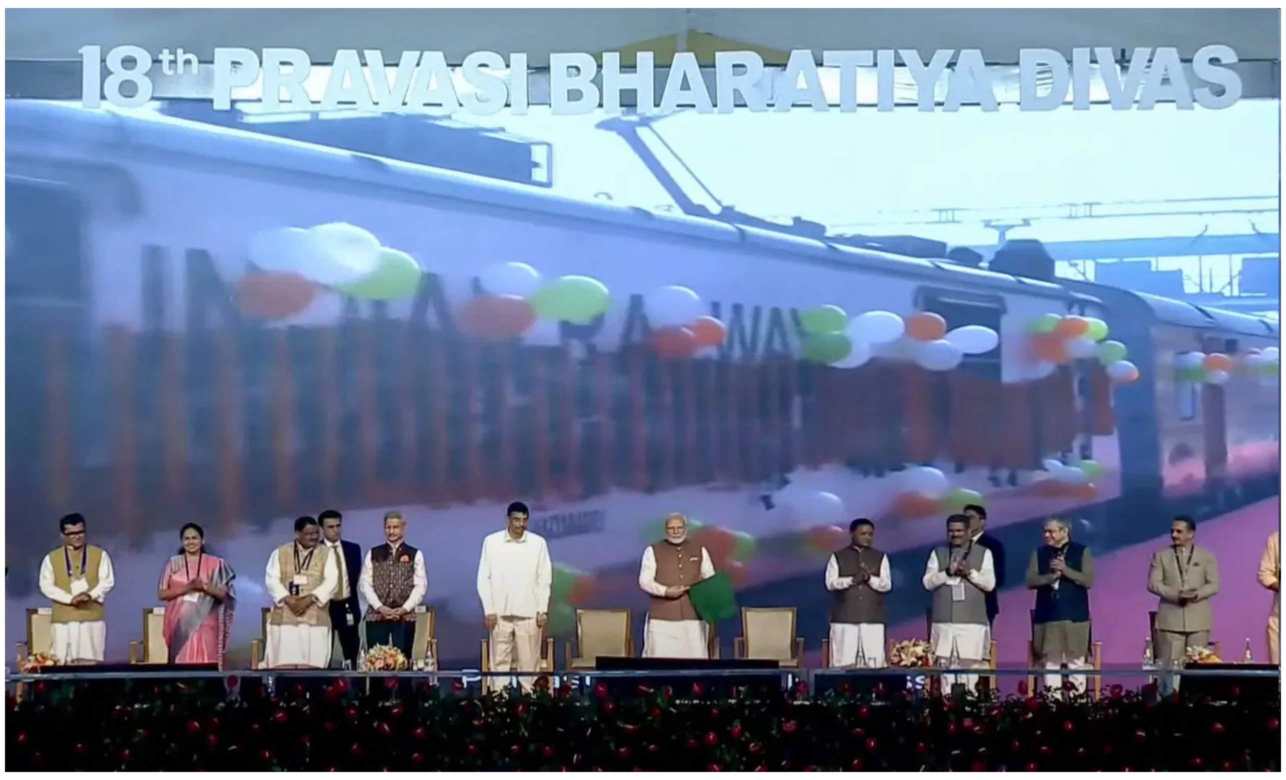

कि भारत के प्रवासी समुदाय रहा है क्योंकि भारत एक दिशा में काम कर रहा उपलब्धियों पर गर्व% जयशंकर में भारतीय प्रवासियों को दौरान जोर देते हुए कहा कि परेशानी हो तो वे विश्वास रख आपके साथ है। उन्होंने आगे भारतीयों की उपलब्धियों पर बनाने का प्रयास कर रहे- 'वैश्वीकरण के दौर में, हर समुदाय का महत्व बढ़ता जा सर्वोत्तम कार्यप्रणाली हो या व्यापार हो या निवेश, दोनों हम वैश्विक श्रमबल बनाने का आसान हो सकता% उन्होंने कहा बदलावों से प्रवासी भारतीयों मंत्री ने कहा कि ये कारोबार जीवन जीना आसान बना सुविधाजनक बना सकते हैं। सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल तकनीकों का उपयोग भी स्पष्ट है। मोदी सरकार आपके साथ उन्होंने कहा, 'पिछले दशक में, हमने पासपोर्ट जारी करने और नवीनीकरण के साथ-साथ सत्यापन प्रक्रिया का सरलीकरण देखा। वाणिज्य दूतावास सेवाओं में सुधार हुआ, कल्याणकारी उपायों में वृद्धि हुई है और शिकायत निवारण मंच प्रभावी हुए हैं। दुनियाभर में दूतावास और वाणिज्य दूतावास अधिक उत्तरदायी हुए हैं। मुश्किल समय में, आप आश्वस्त हो सकते हैं कि मोदी सरकार आपके साथ है।'जयशंकर ने ओडिशा की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहर का उल्लेख किया। साथ ही कहा कि ओडिशा का प्रभाव विदेश नीति और एक्ट ईस्ट नीति में भी देखा जाता है। उन्होंने इस मौके पर प्रवासियों से भारत के गौरवशाली इतिहास, परंपराओं और पहचान को और मजबूत करने का आह्वान किया।

महाकुंभ जा रहे साधुओं को ट्रक ने मारी टक्कर, इस्लामिक संगठन पर आरोप, जांच में पुलिस को मिले ये अहम सुराग

साधु कैंटर के माध्यम से प्रयागराज महाकुंभ में शामिल होने जा रहे थे। हादसे के बाद हंगामा कर रहे साधुओं ने आरोप लगाया कि ये हादसा साजिशन किया गया है। पुलिस आरोपों की जांच कर रही है।थाना मलावन क्षेत्र में बुधवार की देर रात एक कैंटर गाजियाबाद से महाकुंभ जा रहे 8 साधु घायल लगे। साजिशन हादसा करने का आरोप लगा और घायलों को मेडिकल कॉलेज में भर्ती थाना बेबसिटी जिला गाजियाबाद निवासी अन्य साथियों के साथ कैंटर के माध्यम से थे। हम लोग गाजियाबाद के डासना मंदिर से धर्मसंसद में शामिल होने जा रहे थे। मलावन बृहस्पतिवार रात सड़क किनारे वाहन खड़ा मार दी। उन्होंने बताया कि दुर्घटना में कैंटर में रावत, अभयानंद, सिकंदरा, रमेश, वीरेंद्र और का आरोप-इसके बाद साधुओं ने हंगामा शुरू आरोप लगाया कि इस्लामिक संगठन की ओर कि पिछले दिनों हरिद्वार में धर्मसंसद होना था। नरसिंहानंद उसके आयोजक थे। तब 1600 करोड़ से अधिक का इनाम देने की

में पीछे से ट्रक टकरा गया। कैंटर में बैठकर हो गए। इसके बाद अन्य साधु हंगामा करने दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने समझाया कराया।पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर शिवधाम यति रामस्वरूप गिरी ने बताया कि वह अपने प्रयागराज महाकुंभ में शामिल होने जा रहे गुरू यति नरसिंहानंद का आशीर्वाद लेकर थाना क्षेत्र में गांव सेंथरी के पास हाईवे पर किया था। तभी पीछे से एक ट्रक ने टक्कर सवार मैं और साधु सनोज शास्त्री, पवन राय सिंह घायल हो गए।साजिशन हादसे कर दिया। कुछ साधु सड़क पर लेट गए। से यह हमला साजिशन कराया गया है। कहा उस समय हमारे गुरु महामंडलेश्वर यति इस्लामिक संगठनों ने उनको मारने वाले को घोषणा की। छोटे से देश तुर्की ने 1000 करोड़ से अधिक का इनाम उनके ऊपर लगाया है। साजिश के तहत हमारे वाहन में टक्कर कराई गई है। जिससे कि हम लोग महाकुंभ में न पहुंच सकें। कार्रवाई के लिए उन्होंने कोतवाली नगर में तहरीर भी दी। इस कंपनी का है ट्रक-एसएसपी श्याम नारायण सिंह ने बताया कि उपचार के बाद सभी साधुओं के स्वास्थ्य में सुधार हुआ है। जिस ट्रक ने टक्कर मारी, वो नोएडा की विप्रा इंटरनेशनल कंपनी में 25 वर्षों से लगा हुआ है। ट्रक मालिक प्रशांत जैन हैं। ट्रक सामान लेकर लखनऊ जा रहा था। प्रथम दृष्टया मामले की जांच में किसी इस्लामिक संगठन का संलिप्त होना नहीं पाया गया है। तहरीर मिलते ही रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और मामले की गहनता के साथ जांच-पड़ताल की जा रही है।

आप अपना किसी भी प्रकार का विज्ञापन प्रकाशित कराये जैसे नीलामी सूचना, बेदखली सूचना, क्रय विक्रय सूचना आदि, वो भी कम कीमत में संपर्क करे - 9077776991

संक्षिप्त समाचार

अजय सिंह द्वारा कार्यालय में स्पर्श सहायता शिवराम पेंशन सहायता शिविर का आयोजन किया

क्यूँ न लिखूँ सच -राकेश गुप्ता

शामली- शामली जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल अजय कुमार सिंह के द्वारा कार्यालय में स्पर्श सहायता शिविर एवं पेंशन सहायता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का संचालन करने के लिए पश्चिम यू0पी0 सब एरिया मेरठ से टीम को आमंत्रित किया गया था जिसका नेतृत्व कर्नल सत्विन्द्र सिंह कर्नल वेटेरन पश्चिम यू0पी0 सब एरिया द्वारा किया गया। स्पर्श पेंशन, पी0पी0ओ0 जीवन प्रमाण पत्र फेमिली पेंशन एवं पेंशन सम्बन्धित समस्याओं का निराकरण इस शिविर में किया गया। पूर्व सैनिकों/ वीर नारियों/ विधवाओं एवं उनके आश्रितों की पेंशन से सम्बन्धित समस्याओं का समाधान किया गया। जनपद शामली में जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास, जिन पूर्व सैनिकों/वीर नारियों/ विधवाओं एवं उनके आश्रितों को पेंशन सम्बन्धित समस्या थी उनकी समस्या का निवारण कराया गया। पूर्व सैनिकों- धर्मपाल, रमेशचन्द, अजीत सिंह चौधरी, रामकुमार, जितेन्द्र कुमार, संजय कुमार, जयदेव सिंह, मदनपाल, विवेक सैनी, गजेन्द्र सिंह, एवं दरियाव सिंह, सैनिक विधवाएं- कुसुम देवी, मुनेश देवी, जगवती देवी, बालेश, एवं लाली देवी ने अपनी पेंशन सम्बन्धित समस्याओं का समाधान कराया।

सिरसिया ब्लॉक अध्यक्ष इलियास अहमद की अध्यछता मे पंचायत हुई संपन्न

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती ब्लॉक सिरसिया मे भारतीय किसान यूनियन की मासिक

पंचायत इलियास अहमद की अध्यक्षता की गयी जिसमे विकास खंड सिरसिया के ग्राम पंचायतो की समस्याओ को खंड विकास अधिकार को अवगत करया जैसे कहीं नाली खड़ंज इंटरलाकिंग पूर्ण का कार्य पूर्ण न होने की वजह ग्रामीणों को समस्याओ से निजात नहीं मिल रही है इन सब समस्याओ के समाधान को लेकर पंचायत की गयी निस्तारण की मांग लेकर बी डी ओ सिरसिया को छः सूत्रीय ज्ञापन देकर पंचायत का समापन किया गया

बंद कमरे में पड़ा मिला सिपाही का शव, साथ में मिली घायल युवती आगरा रेफर

श्याम नगर में एक सिपाही कुलदीप भाटी का शव किराए के मकान के कमरे में मिला। सिपाही के शव के साथ गंभीर घायल अवस्था में युवती भी मिली। युवती को आगरा रेफर कर दिया गया है।बंद कमरे में से फायरिंग की आवाज आई। पुलिस ने सूचना पर पहुंच कर कमरे का गेट तोड़ा। कमरे के अंदर का नजारा देख कर सब दंग रह गए। कमरे में सिपाही का शव पड़ा था। उसी कमरे में एक युवती भी मिली, जो घायल थी। हाथरस सदर कोतवाली के जलेसर रोड पर श्याम नगर में एक सिपाही कुलदीप भाटी का शव किराए के मकान के कमरे में मिला। सिपाही के शव के साथ गंभीर घायल अवस्था में युवती भी मिली। पुलिस ने बंद कमरे के गेट को तोड़कर व कटवाकर शव व घायल युवती को बाहर निकाला। घायल युवती को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पड़ोसियों ने बताया कि घर के अंदर से फायरिंग की आवाज आई थी। सिपाही का शव जमीन पर पड़ा था।प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल युवती को आगरा रेफर किया गया है। मौके पर हाथरस एसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा पहुंच गया है। मृतक सिपाही कुलदीप भाटी हाथरस की पुलिस लाइन में तैनात था। पुलिस और फोरेंसिक टीम मामले की जांच में जुटी हुई है।

बरेली रंग महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ नाटक के लिए प्रथम पुरस्कार सहित आठ अवॉर्ड जीतकर शहर का नाम रोशन किया

क्यूँ न लिखूँ सच -श्याम जी कश्यप

फर्रुखाबाद-जिले की रंगमंचीय संस्था नक्श थिएटर के कलाकारों ने एक बार फिर बरेली रंग महोत्सव में सर्वश्रेष्ठ नाटक के लिए प्रथम पुरस्कार सहित आठ अवॉर्ड जीतकर शहर का नाम रोशन किया है । रंगालय अकादमी ऑफ आर्ट एण्ड कल्चर सोसायटी द्वारा चार से छः जनवरी को आयोजित पंद्रहवें बरेली रंग महोत्सव बारगम रंग महोत्सव अखिल भारतीय नाट्य प्रतियोगिता में जिले की एकमात्र रंगमंचीय संस्था नक्श थिएटर को सर्वश्रेष्ठ नाटक मलेक्ष के मंचन के लिए प्रथम पुरस्कार मिला है । इसी के साथ नक्श थिएटर के एक्टर/डायरेक्टर अमित सक्सेना को सर्वश्रेष्ठ निर्देशन के लिए प्रथम अवॉर्ड,सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के लिए धीरज मौर्य को प्रथम अवॉर्ड, सर्वश्रेष्ठ चरित्र अभिनेता के लिए अधिवक्ता राज गौरव पाण्डेय को प्रथम व संध्या पाण्डेय को सर्वश्रेष्ठ चरित्र अभिनेत्री का प्रथम अवॉर्ड, सर्वश्रेष्ठ मंच सज्जा सत्या पाल प्रथम अवॉर्ड, सर्वश्रेष्ठ रूप सज्जा के नेहा सक्सेना को प्रथम अवॉर्ड,सर्वश्रेष्ठ प्रकाश सज्जा में शैली दिवाकर को द्वितीय अवॉर्ड मिला है । बरेली से वापस लौटने के बाद सभी कलाकारों ने शहर के मेमरान स्थित नक्श थिएटर एवं एक्टिंग स्टूडियों में अपनी खुशी जाहिर की। नक्श थिएटर के डायरेक्टर अमित सक्सेना ने बताया कि बरेली में आयोजित रंग महोत्सव में दिल्ली,गाजियाबाद,गुजरात,कोलकाता, जमशेदपुर सहित अलग-अलग शहरों की नौ टीमों ने प्रतिभाग किया था जिसमें सर्वश्रेष्ठ नाटक सहित आठ अवॉर्ड जीते हैं। फर्रुखाबाद में नाट्य विधा को बढ़ावा मिले हमारी संस्था का यही उद्देश्य है। इस मौके पर धीरज मौर्य,राजगौरव पाण्डेय, डॉक्टर नावेद अलीम,संध्या पाण्डेय, विशाल सिंह,शुभम,अंकित गुप्ता,अंकुश, प्रियांश राजपूत,दिलीप कश्यप, नेहा सक्सेना,सत्या पाल,ध्रुवी सक्सेना,लकी तिवारी,शैली दिवाकर आदि मौजूद रहे।

डीएम ने श्रमिकों को बांटे कम्बल, पंजीकरण कराने पर दिया ज़ोर

क्यूँ न लिखूँ सच

बदायूँ जिलाधिकारी निधि श्रीवास्तव ने गुरुवार को नगर के छह सड़का पहुंचकर श्रमिकों के पंजीयन एवं जागरूकता कैम्प का आयोजन किया तथा श्रमिकों एवं जरूरतमंदों को कम्बल वितरित किये। डीएम ने श्रमिकों से कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठायें तथा अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलायें, सरकार मजदूरों के बच्चों के लिये स्कॉलरशिप प्रदान करती है तथा प्रतिभाशाली बच्चों के लिये बरेली में अटल आवासीय विद्यालय की स्थापना की गयी है जिसमें बच्चों के रहने खाने से लेकर समस्त सुविधायें निःशुल्क हैं। उन्होंने बताया कि निर्माण श्रमिक अपना पंजीयन श्रम विभाग में करायें तथा बच्चों को बेहतर शिक्षा दें व योजनाओं का लाभ लें। जिलाधिकारी ने श्रम विभाग को निर्देशित किया कि बदायूँ लेबर अड्डे पर सुबह सोढ़े सात बजे से साढ़े नौ बजे तक पंजीयन कैम्प का आयोजन कर सभी निर्माण श्रमिकों का पंजीयन कराया जाय। यहां सहायक श्रमायुक्त अजीत कनौजिया ने निर्माण श्रमिकों को पंजीयन प्रक्रिया से अवगत कराया गया तथा योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पंजीयन के लिये निर्माण श्रमिक का आधार तथा आधार से लिंक मोबाइल नम्बर तथा श्रमिक का बैंक एकाउण्ट होना आवश्यक है। पंजीयन किसी भी जनसुविधा केन्द्र पर कराया जा सकता है तथा पंजीयन शुल्क 40 रुपए देय है। योजनाओं के आवेदन भी किसी भी जनसुविधा केन्द्र से कराये जा सकते हैं। श्रमिकों के लिये मातृत्व, शिशु एवं बालिका मदद योजना जिसके अन्तर्गत पुत्र होने पर धनराशि 20 हजार रुपए तथा पुत्री होने पर धनराशि 25 हजार रुपए दिया जाता है। श्रमिकों की पुत्री के विवाह के लिये 55 हजार रुपए एवं सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत दा बच्चों को वजीफा दिया जाता है दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर पांच लाख रुपए तथा सामान्य मृत्यु की दशा में दो लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् शामली नागरिक जिला शामली का सूचना पत्र के बिना शहर में नही होगा कोई भी कार्य

क्यूँ न लिखूँ सच - राकेश गुप्ता

शामली- शामली शहर के सर्वांगीण विकास हेतु जनहित को दृष्टिगत रखते हुए निर्माण कार्य कराये जा रहे है। शहर के अधिकांश वार्डो में नगर पालिका शामली द्वारा विकास कार्यो को प्रारम्भ कर दिया गया है। ठेकेदारों द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में विभिन्न स्थानों पर जो कार्य किये जा रहे है उनके लिए नगर पालिका परिषद् शामली द्वारा नागरिक सूचना पत्र-कार्य गुणवत्ता मानक पत्रक बांटा जायेगा। यह नागरिक सूचना पत्र जहां पर कार्य प्रारम्भ होगा, उस स्थान के आस-पास व गली मौहल्ले में यह बांटा जाना अनिवार्य है। नगर के समस्त नागरिकां को इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि जहां-जहां पर पालिका द्वारा निर्माण कार्य चल रहे है, उन्हें आप कार्य गुणवत्ता मानक पत्रक के आधार पर ही कार्य अपनी देखरेख में सम्पूर्ण करायें। यदि सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा कार्य मानक के अनुरूप नहीं किया जा रहा है तो उसकी सूचना मुझे या अधिशासी अधिकारी/अवर अभियन्ता सिविल को लिखित या मोबाइल पर दे सकते है, नागरिक सूचना पत्र के नीचे सम्बन्धित सभी अधिकारियों के मोबाइल नम्बर लिखे हुए है। उक्त उद्गार नगर पालिका परिषद् शामली के चेयरमैन अरविन्द संगल ने पालिका ठेकेदारों को शहर के विभिन्न वार्डो में संचालित विकास कार्यो से सम्बन्धित नागरिक सूचना पत्र वितरित करने एवं कार्यो की गुणवत्ता सम्बन्धित दिशा-निर्देश पालिका कार्यालय में आयोजित बैठक में व्यक्त किये। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि नागरिक सूचना पत्र-कार्यगुणवत्ता मानक मे कार्य में उपयोग होने वाली सामग्री का विवरण दिया गया है। पालिका अध्यक्ष द्वारा जनता से नागरिक पुलिस बनकर जागरूक रहने की अपील करते हुए कहां कि नागरिक सूचना पत्र के अनुरूप ही काम करायें। नागरिक सूचना पत्र के प्रारूप में श्रृंखलाबद्ध तरह से काम का विवरण व लगने वाली सामग्री का विवरण दिया गया है जैसे-वार्ड संख्या-19 शिवाजी पार्क में वीरेन्द्र के मकान से ओमप्रकाश के मकान तक रमेश के मकान से मन्दिर तक दीपक के मकान से मुकेश तक बबलू के मकान से दीपक के मकान तक सड़क व नाली निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जा रहा है। नागरिक सूचना पत्र का प्रारूप निम्न प्रकार का जारी किया गया है-ठेकेदार को कार्य निर्देश ः- (1.) रैम्प, नाली तोडी जायेगी तथा पुरानी ईटों का इस्तेमाल चिनाई में नहीं किया जायेगा एवं उक्त स्थल से मलबा उठाकर क्षेत्र से बाहर ले जाया जायेगा।नली निर्माण ः- (1.) नाली के बेस में लगभग 3 इंच मोटाई में पत्थर का रोडा डाला जायेगा। (2.) नाली में सीमेन्ट, कॉरसेंड व रोडी के मसाले का अनुपात (1/2/4) होगा। (3.) नाली की मकान साइड की दीवार की मोटाई लगभग 4.5 इंच एवं ऊँचाई लगभग 9 इंच होगी।(4.) नाली के बैंड की चौडाई लगभग 9 इंच व मोटाई लगभग 3 इंच रहेगी। सड़क निर्माण ः- (1.) सड़क पर 22.4-53 साईज का पत्थर का रोडा डाला जायेगा ।(2.) सड़क पर पत्थर मोटाई लगभग 3 इंच होगी। (3.) सड़क की सी0सी0 में सीमेन्ट, कॉरसेंड एवं रोडी का अनुपात (1/1.5/3) होगा। (4.) सड़क में सी0सी0 की मोटाई लगभग 4 इंच रहेगी। वार्ड के सभी जागरूक नागरिक उपरोक्तानुसार कार्य करायें तथा कोई भी समस्या होने पर नागरिक सूचना पर में नीचे लिखित नम्बरों से सम्पर्क करें। इस अवसर पर सभासद श्री आशीष गुप्ता, श्रीकांत सिंह राणा अवर अभियन्ता सिविल, हर्ष गर्ग अवर अभियन्ता जलकल, अनिल कुमार शर्मा लिपिक निर्माण विभाग, श्री सतबीर शर्मा, श्री पवन संगल, श्री सन्नी मंगल, श्री मनोज कुमार गुप्ता, श्री विशाल कुमार, श्री प्रदीप पुण्डीर, श्री योगेन्द्र सिंह, श्री विवेक वर्मा, श्री लोकेन्द्र सिंह, श्री अंकित मलिक, कमल कुमार, अमित कुमार, धर्मेन्द्र सिंह, अनिल कुमार, आशु अब्बासी, वसीम, आदि उपस्थित रहे। अनिल कुमार शर्मा (निर्माण लिपिक)नगर पालिका परिषद्, शामली।

एसएसपी ने थाना कादरचौक का आकस्मिक निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच

एसएसपी डॉ0 बृजेश कुमार सिंह द्वारा क्षेत्राधिकारी उझानी/नगर श्री शक्ति सिंह के साथ थाना कादरचौक का आकस्मिक निरीक्षण किया गया इस दौरान थाना परिसर में नवनिर्मित बैरिक तथा विवेचना कक्ष का निरीक्षण किया गया तथा अतिशीघ्र निर्माणकार्य पूरा करने एवं आवश्यक मूलभूत सुविधाओ की पूर्ति करने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। तत्पश्चात थाना परिसर मे थाना कार्यालय, हवालात, मालखाना, बैरक, महिला हैल्प डैस्क, सीसीटीएनएस कक्ष आदि का मुआयना किया गया एवं सुधार हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। निरीक्षण के दौरानथाना प्रभारी श्री उदयवीर सिंह, दिवसाधिकारी श्री अवधेश सिंह , क0आ0 सुधीर, कार्यलेख पर आरक्षी 51 अजय, महिला हैल्प डैस्क पर म0आरक्षी कोसिन, संतरी पहरा पर आरक्षी 1042 राहुल कुमार मौजूद मिले। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, बदायूँ द्वारा निरीक्षण के दौरान संबंधित को निम्न आदेश-निर्देश दिये गये। मिशन शक्ति फेज-05 के अन्तर्गत चलाये जा रहे विभिन्न अभियान, महिला सुरक्षा, सम्मान एवं सशक्तिकरण हेतु स्थापित महिला हेल्पडेस्क के प्रभावी क्रियान्वयन व महिला बीट प्रणाली के सुदृढ़ीकरण की कार्यवाही कराये जाने व महिला बीट कर्मियों द्वारा महिलाओं/बालिकाओ को नियमित रुप से जागरुक किया जायें। महिला हेल्पडेस्क का निरीक्षण कर अभिलेखो को चेक कर आवेदिका/आने वाली पीड़िता का नाम, पता, मो0नं0 एवं समस्या का स्पष्ट उल्लेख करने तथा समस्या के निराकरण हेतु की गयी कार्यवाही एवं समस्या के निदान के विवरण का स्पष्ट उल्लेख करने एवं लम्बित महिला सम्बन्धी अपराधों में प्रभावी रुप से कार्यवाही करते हुए उनका शीघ्र निस्तारण कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। थाना स्तर पर प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों को गम्भीरतापूर्वक गुणवत्तापूर्ण व त्वरित निस्तारण कराया जाये । जनसुनवाई पोर्टल (आईजीआरएस) पर लम्बित प्रार्थना पत्रों को समयावधि में निस्तारित किया जाये। अपराध रजिस्टर का अवलोकन कर लम्बित विवेचनाओं के शीघ्र गुण दोष के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराया जाये। भूमि विवाद सम्बन्धित प्रकरणों में राजस्व विभाग से समन्वय स्थापित कर प्रकरणों को शीघ्र निस्तारण किया जाये।

संक्षिप्त समाचार

स्वच्छता के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती । ब्लॉक समंवयक ने ग्राम पंचायत में जाकर ग्रामीणों को स्वच्छता के बारे में व शौचालय के संबंध में किया जागरूक। विकास खंड जमुनहा के अंतर्गत ग्राम पंचायत फतेहपुर बनगई में ब्लॉक समंवयक चंद्रमणि शुक्ला ने औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान गांव वालों को ब्लॉक सामान्य ने जागरूक किया गया कि प्रतिदिन शौचालय का प्रयोग करें और खुले में शौच न करने जाए। सोच के बाद हाथ साबुन से धुले, खाने के पहले हाथ साबुन से धोने, घर आंगन स्वच्छ रखें, स्वच्छ कपड़े पहने, अपने आस-पड़ोस के लोगों को स्वच्छ रहने के लिए जागरूक करें।

अवैध शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच -अरविन्द कुमार यादव

श्रावस्ती। थाना हरदत्त नगर गिरंट पुलिस ने अभियुक्त चेतराम पुत्र गोली निवासी अवसान कुण्डी थाना हरदत्त नगर गिरंट जनपद श्रावस्ती को 09 लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार कर थाना हरदत्त नगर गिरंट पर 60 आबकारी अधिनियम में पंजीकृत किया गया।

प्राथमिक विद्यालय में ताला तोडकर चोरी

क्यूँ न लिखूँ सच -प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - थाना क्षेत्र मल्हीपुर स्थित हरिहरपुर करनपुर प्राथमिक विद्यालय में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर स्मार्ट क्लास का सम्मान एवं अन्य सामानों को चोरी कर ली। इस समय शीत कालीन अवकाश के कारण विद्यालय पूर्णतः बंद है। विद्यालय की रसोइया ने विद्यालय में आकर देखा तो स्मार्ट क्लास एवं कार्यालय सहित सभी कमरों के ताले टूटे हुए हैं। अंदर गयी तो देखा स्मार्ट क्लास में लगे हार्डवेयर सामग्री एवं विभाग द्वारा प्राप्त कम्प्यूटर सेट गायब है। रसोइया से पूछने पर पता चला कि रसोई घर से सारे बर्तन एवं गैस डबल बर्नर भट्ठी दो भगोना, सिलेण्डर कढ़ाई एवं नये बर्तन मूसल, तसला एवं शिक्षण विद्यालय में बच्चों के बैठने की बेंच आदि चोरी हो गई। पुलिस पहुंची और जांच में जुट गई।

वाहन चलाते समय पहनें सीट बेल्ट व हेलमेट

क्यूँ न लिखूँ सच - प्रेमचंद जायसवाल

श्रावस्ती - श्रावस्ती प्रभारी यातायात मो. शमीम एवं यातायात की टीम तथा पीटीओ अवस्थी महेश वर्मा के संयुक्त रूप से कोतवाली भिनगा क्षेत्र अंतर्गत ईदगाह तिराहे पर बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चालक तथा बिना सीट बेल्ट चार पहिया वाहन चालकों को फूल देकर लोगों को चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट, दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट लगाने हेतु अपील की गई तथा लोगों को यातायात नियमों संबंधी पंपलेट वितरित किए गए व निर्धारित गति सीमा से तेज चलने वाले, रॉन्ग साइड, बिना हेलमेट, तीन सवारी चलने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई की गई।

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

If you want silky and shiny hair like Korean girls, then follow these two tips

Korean hair care routine focuses on deep cleaning and nourishment of hair. Here are two easy and effective Korean hair care tips that can make your hair silky and soft: Nowadays,

girls and boys are crazy about Korean dramas. Korean dramas are very good to watch, so the youth like them very much. Their love stories are quite famous. Along with this, people also like the skin and hair of Korean girls. This is the reason why Korean skin care treatments and hair treatments are being done in parlors these days. If you want to get silky and shiny hair like Korean girls without spending much money, then here we are going to tell you two such tips, by following which you can also get hair like them. To use these tips, you will neither have to work hard nor will you have to spend much money for this. Cleaning the scalp is important. In the Korean hair care routine, the most emphasis is laid on cleaning the scalp. To keep the hair soft and healthy, it is very important for the scalp to be healthy. For this, apply slightly warm oil to your scalp and hair. Massage the scalp with light hands, so that blood circulation can increase and the dirt and dead skin cells accumulated on the scalp are removed. Leave the oil on the hair for 30 minutes to 1 hour. After this comes the turn to wash the hair, so now use a mild and sulfate-free shampoo to wash the hair. Note that apply shampoo only on the scalp and do not apply too much shampoo on the ends of the hair. Use of hair mask Natural hair mask and hair essence water are used in Korean hair care to keep the hair hydrated. It helps in maintaining the moisture of the hair and making them silky and soft. To use it, first prepare a natural hair mask at home. For this, make a mixture of avocado, aloe vera gel, and honey and apply it on the hair. Leave it on the hair for 20-30 minutes and then wash it off with lukewarm water. After this, to prepare hair essence water, mix rose water, a little apple cider vinegar, and water in a spray bottle. Spray it on the hair after washing the hair. It works as a conditioner and makes the hair soft.

If the nail polish peels off in a day, apply it like this, it will stay on for a week

If the nail polish peels off quickly from your nails, it means that either the surface of your nails is not prepared properly, or the process of applying nail polish is not correct. Just as girls and women use makeup to look beautiful, in the same way, in today's time there is a tradition of keeping the nails beautiful. For this, girls especially use different nail polishes. Now nail paints of many colors are available in the market, which look very beautiful. Along with applying normal nail polish, girls also get nail art done by going to the nail salon. But many women have this problem that their nail polish starts peeling off automatically in a day or two. In such a situation, the right technique and care is very important to apply nail polish and keep it for a long time.

If you want your nail polish to be beautiful and durable, then keep these tips in mind: First of all, prepare the nails - Clean the nails before applying nail polish. If there is any kind of oil, dirt or moisture on the nails, the nail polish does not stick properly. In such a situation, before applying nail polish, clean the nails thoroughly with nail remover or acetone. After this, wipe the nails with a dry cloth. Now it is the turn of the base coat - Always apply a base coat before applying nail polish. This helps the nail polish to stick better on the nails and protects the nails from yellowing. This is a transparent nail polish, which is very important to apply. Apply nail polish in thin layers - Always apply nail polish in thin layers. First apply a light layer and let it dry. Then apply the second layer. Thick layers stick quickly, so work in thin layers. If your nail polish has thickened, then melt it in a bowl of lukewarm water and then use it. Use top coat- After applying nail polish, apply top coat. This seals the nail polish and helps it last longer. Apply refresher of top coat every 2-3 days, so that the shine of nail polish remains.

If you want to shine in your friend's wedding, then wear such outfits

If it is your friend's wedding and you want to look different and beautiful on this special occasion, then choosing the right outfit is very important. Here are some outfit ideas that you can wear to shine in your friend's best friend's wedding since every girl, her friend's wedding is a such a situation, the importance of and her look increases on this wonderful day not only for the bride this day special, girls start preparing such a situation, if you want to look occasion, then here are some tips and friend's weddingSaree - Saree is the Indian weddings. Wearing it at a beautiful, but will also add to the friend's wedding, choose a light pink or gold. Drape the saree jewelry.Anarkali Suit- Anarkali suit occasion of a wedding. It makes your and modern. In such a situation, like pink, cream or golden for the work brocade border. Wear it with a beautiful clutch.Lehenga Choli- occasion gives a royal and glamorous shimmery or net lehenga choli for the

wedding. Girls dream of going to their childhood and dressing up well. For very special and happy occasion. In both the presence of the bridesmaid occasion. This is a memorable and but also for the bridesmaid. To make for the wedding months in advance. In absolutely perfect on this special outfit ideas that you can wear in your most traditional and beautiful dress of wedding will not only make you look charm of the entire wedding. For your Banarasi saree in bright colors like red, properly and pair it with golden gives a classic and royal look on the look a perfect blend of both traditional wear an Anarkali suit in light colors wedding, which has a net or silver a bun, earrings and bangles, and carry Wearing a lehenga choli on a wedding look. In such a situation, choose a silk, wedding with attractive embroidery and a flowing flared skirt. Pastel colors or bright colors like metallic gold, pink, or purple can be great options. Wear it with good light makeup, smokey eyes and jewelry. Sharara Set- Sharara set is in fashion nowadays and it gives you a trendy, stylish and comfortable look. Sharara set is a good option if you want to wear more loose and comfortable on the wedding day. Wear embroidered sharara with sequin work top and dupatta.

Deepika Kakkar cried on the cooking show, users trolled her and said - drama has begun, she is making a comeback after 4 years

Television actress and Bigg Boss 12 winner Deepika Kakkar, famous for her role of 'Simar' in 'Sasural Simar Ka', is all set to participate in 'Celebrity MasterChef'.Popular television actress

and 'Bigg Boss 12' winner Deepika Kakkar is known for playing the role of 'Simar' in the hit daily soap 'Sasural Simar Ka'. The actress is now all set to participate in Celebrity MasterChef. She is making a comeback on TV again after four years. The promo of an episode of the upcoming show was recently released by the makers, in which Deepika is seen breaking down due to trolling for being a 'home cook'. However, netizens again criticized her strongly. Let's know why? Deepika made a comeback on TV - The promo starts with judge Ranveer Brar telling Deepika about time being short. Then the other judge Vikas Khanna asks if she has a 'Plan B', to which Deepika confidently replies that she will complete her dish on time. Later, she serves the judges a creme brulee tart. This is why Deepika cried on the show- Both the judges praise her dish and their praise brings tears to Deepika's eyes. When Farah Khan asks her, "Deepika, why are you crying so much?", the actress replies, "I want to represent every woman today who is suppressed by saying, 'Arre, kitchen me sirf khana hi toh bana rahi hai'. Haan hun main ek home cook. Trolled on social media- Soon after the video surfaced, netizens started trolling Deepika. One user commented below the promo posted by the makers on X, "I am sorry why are they bringing so much drama to this show. It should have been made light-hearted like Laughter Chefs." Another user wrote, "Why so much drama? You yourself chose such a life. Why complain now?" Another user wrote, "Deepika is still in the character of Simar."Why did Deepika become a housewife? - Deepika had once revealed that as a child she was affected by her parent's broken marriage and it completely changed her as a person as she grew up. Talking about her decision to become a housewife and take care of her family, she had said that it stemmed from her childhood where she saw her parents getting divorced.

Ameesha Patel is excited about the re-release of 'Kaho Naa Pyar Hai', said this on the sequel of the film

'Kaho Naa Pyar Hai' is being re-released in theaters on Hrithik Roshan's birthday, on which actress Ameesha Patel has also expressed her happiness. The romantic film 'Kaho Naa Pyar

Hai' will be re-released in theaters on January 10, 2025 on superstar Hrithik Roshan's birthday, which is four days before the 25th anniversary of the film. Directed by Rakesh Roshan, 'Kaho Naa Pyar Hai' was released on 14 January 2000. Hrithik and Ameesha Patel gained popularity and stardom overnight with this blockbuster film. Now Ameesha has shared her excitement about its re-release. What did Ameesha say on the re-release of the film - I myself am very excited for its re-release. I myself have not seen the film on the big screen for 25 years. I am very lucky that I am a part of those films, which turned into franchises and are now being re-released, which fans want to see again on the big screen. I am happy that I have been a part of those films. Now the producers and directors are bringing those memories back to the theatres. The first day of the film's release was memorable - Ameesha Patel remembered the first day of the release of 'Kaho Naa Pyar Hai' and also shared an interesting anecdote about it. The actress said that when 'Kaho Naa Pyar Hai' was released, Hrithik and I went to Eros theatre to watch the film, because we had to see the reaction of the audience. Before the interval, Hrithik said that let's go and have a sandwich and a cold drink, so we left before the interval. Hrithik-Ameesha were happy with the praise they received from the audience. Ameesha further said that we were standing outside, but we could neither eat nor watch the film, because all the audience came towards us at once. They wanted autographs from us, wanted to take photographs with us. They praised us, then we realised that we have become famous overnight and we were called national crush. That was a great feeling. What did the actress say about the sequel of the film- Regarding the sequel of the film, Amisha Patel said that only Hrithik Roshan and Rakesh Roshan can answer this. She also said that I can guarantee that if Kaho Naa Pyar Hai 2 comes, it will break all records.

'Actors make bodyguards create ruckus for publicity', Sonu Sood exposed Bollywood's dirty secrets

Sonu Sood recently shared an example of an actor, whose name he refused to reveal and said that he reached a place with a bodyguard where there was no one and acted as if he was passing through the crowd. Bollywood actor Sonu Sood is known for speaking openly. He also expresses his views openly on political issues. He is also very active on social media. The actor is making headlines these days for his upcoming film 'Fateh'. Sonu Sood is promoting the film a lot. Along with this, he is also revealing many hidden things of the industry. Now recently, the actor has told that some actors make their bodyguards create ruckus to get people's attention. Artists do this for publicity Recently in an interview with Zee, Sonu Sood has taken a dig at Bollywood actors and said that some people act very well even behind the camera. The actor said, "I think Bollywood people should only act in front of the camera. As soon as the camera is turned off, they should stop acting. However, some people cannot even do this, their whole life is spent in acting all the time."Sonu likes to interact with fans- The actor further said, many times videos go viral that an artist's bodyguard created a ruckus. Many people take bodyguards with them. Even I take bodyguards with me to big events. However, I tell my bodyguard to let me go among the people because I like to interact with them. Many actors also use this for publicity."Sonu used to keep bodyguards to get people's attention-Sonu also told that many people in Bollywood keep bodyguards just to get attention. The actor said, "Many of them keep their bodyguards even at the airport and then they create a complete drama there. Once I spoke to a bodyguard and asked, 'Why are you creating a drama? Can't you walk peacefully?' He said, 'No sir, we have been instructed to do drama.' People will not notice- The bodyguard told the actor that if he did not do this, he would be shouted at. Sonu said that that is why many actors do all this drama with their colleagues to get people's attention because they are simply afraid that if they go to a place without drama, people will not notice them.